ISSN 2349-6614

मार्च 2019

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

पुलवामा आतंकी हमला

चुकता किया जाएगा हिसाब

शहीदों को शत्-शत् नमन

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 1 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

JK Cement LTD.

JK SUPER™

CEMENT

BUILD SAFE

VIJAYSTAMBH

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रत्यूष

मार्च
2019
वर्ष 17, अंक 1

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अन्दर के पृष्ठों पर...

12 स्थापना दिवस

रंगीला राजस्थान

20 अध्यात्म

अलग नहीं शिव और शक्ति

22 रंगोत्सव

परम को भी प्रिय होली ...

29 सैन्य बल

औकात नहीं और दिखाता है आंख

36 मनोरंजन

जेब पर भारी ट्राई के नए पैकेज

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग वेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक-संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313001

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

TO RISE ABOVE
STEP BY STEP
SCHOOL

Step By Step School

CBSE Affiliated No. 1730602

(Class Play Group To XII)

Sector 11, Udaipur-313002
Jogi Ka Talab, Opp. Nehla, Nr. Sec.14

Contact No. 0294-2483932, 2481567, 9680520421
E-mail ID: stepbystepschool11@gmail.com, website : sbsudaipur.com

- Day Boarding & Hostel Facility
- Transport Facility Available

तेज करें वार की धार

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल(सीआरपीएफ) के काफिले पर पिछले दिनों पाकिस्तान में पलने वाले दहशतगर्दों के आत्मघाती हमले में 41 भारतीय जवानों की शहादत से पूरा देश गुस्से में है और हर दिशा से यही आवाज़ उठ रही है कि बदला चुकाने में विलम्ब नहीं किया जाए। इस बर्बर हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली है। भारतीय सेना ने चार दिन बाद कार्रवाई करते हुए इस आत्मघाती हमले के मास्टर माइंड कामरान गाज़ी व उसके एक अन्य साथी को मार गिराया। हमले के ये षड़यंत्रकारी एक मकान में छिपे थे। जबकि मोहम्मद आदिल डार आत्मघाती हमले में ही मारा गया था। कामरान गाज़ी जैश के सरगना मौलाना मसूद अज़हर के अत्यंत विश्वसनीय करीबियों में था। गाज़ी को युद्ध तकनीक और आईईडी बनाने की ट्रेनिंग तालिबान से मिली। कश्मीर में जिस तरह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पसरता जा रहा है, उसका जवाब हमने अब तक सख्ती से नहीं दिया है। हमें लग रहा था कि जम्मू-कश्मीर के गुमराह लड़के हालात से वाकिफ होंगे और पाकिस्तान के षड़यंत्र को समझेंगे लेकिन वे समझने को तैयार नहीं है। वे पाकिस्तान के इशारे पर अपने ही मुल्क की पीठ में खंजर उतारने पर आमादा हैं। ये लड़के सिर्फ मुट्ठी भर हैं, जिन्होंने महज़ अपने फायदे के लिए पूरी कौम को बदनाम कर उनका जीवन खतरे में डाल दिया है। भारतीय सेना का यही दृष्टिकोण रहा है कि पाक पल्लवित आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाए, पर कश्मीर के लोगों को इस लड़ाई से बचाया जाए। आतंकी हमेशा हमारी सेना की इसी सोच का फायदा उठाते हुए कश्मीरियों की आड़ लेते रहे हैं। पुलवामा हमले का जो भी विवरण सामने आया है, वह यही बताता है कि इसमें जनजीवन को सामान्य बनाए रखने के लिए दी गई छूट का फायदा उठाया गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार बनने पर उम्मीद जगी थी कि सैनिक छावनियां आतंकवादियों की पनाहगाह नहीं रहेगी और पाकिस्तान द्वारा भारत से सम्बन्ध सुधारने की पहल की जाएगी। लेकिन पाकिस्तान के खिलाड़ी प्रधानमंत्री खुद अपनी सेना के हाथों का खिलौना बनकर भारत विरोध के पुराने एजेण्डे पर स्थिर हो गए हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का मक़सद भारत के सुरक्षा बलों और जनता के मनोबल पर चोट करना था। उरी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा अंजाम दी गई सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन आल ऑउट में एक के बाद एक आतंकी कमाण्डो के चूहे की मौत मारे जाने से कश्मीर में जिहादी नेटवर्क मानसिक दबाव में था। इस दबाव से अपने आतंकी काडर को उबारने के लिए पुलवामा में उसने हमारे सैन्य काफिले को निशाना बनाया।

जम्मू-कश्मीर में पिछले पांच वर्षों में जवानों की शहादत का ग्राफ जिस तेजी से बढ़ा है, वह कई गंभीर सवाल खड़े करता है। आतंकियों से मुठभेड़ में हमारे सैनिकों को कम से कम क्षति पहुंचे, इस प्रयास में हमारे रणनीतिकार विफल साबित हो रहे हैं। ऐसे ही प्रश्न हमारी खुफिया एजेंसी की नाकामी को लेकर भी हैं। अभी हम इन नाकामियों के विस्तार में नहीं जाना चाहते लेकिन इतना तो कहना ही चाहेंगे कि जवानों के हताहत होने की घटनाओं से सुरक्षा बलों का मनोबल टूटता है और व्यवस्था के प्रति आक्रोश भी बढ़ता है। खुफिया तंत्र यदि मज़बूत हो, कारगर रणनीति हो तो जवानों की जान काफी हद तक बचाई जाकर दुश्मन को उसके किए की सटीक सजा दी जा सकती है।

पुलवामा की घटना के बाद सर्वदलीय बैठक में जिस तरह सभी राजनैतिक दलों ने एकजुटता दिखाई, उससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। गृह मंत्रालय ने आतंकवादी संगठनों से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों को मुक्तहस्त कर दिया है। अलगाववादियों के हितचिंतकों को उपलब्ध सुरक्षा घेरा वापस ले लिया गया है। पाकिस्तान जाने वाली तीन नदियों के पानी को यमुना में लाए जाने की घोषणा केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी की ओर से हुई है। उनके अनुसार इसके लिए तीन प्रोजेक्ट तैयार किए जा चुके हैं। रावी नदी पर तो एक प्रोजेक्ट की शुरुआत भी हो चुकी है। यह सब तो ठीक है लेकिन देश अपने 41 जवानों की शहादत का बदला तत्काल मांग रहा है, यह कब और कैसे लिया जाएगा यह हमारे रणनीतिकार जाने। लेकिन यह बदला जल्दी से जल्दी चुकता कर पाकिस्तान और उसके प्रधानमंत्री तथा सेना प्रमुख बाजवा को उनकी औकात का अहसास कराया ही जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को जो भरोसा दिया है, उसकी क्रियान्विति शीघ्र हो, पूरा देश प्रतीक्षा में है।

आतंकी संगठन इस तरह के और हमले कर सकते हैं। सुरक्षा बलों को पूरी तरह चौकन्ना रहना होगा और ऐसी समग्र नीति का निर्धारण करना होगा, जिससे हमलावरों का तत्काल खात्मा किया जा सके। जुबानी जवाब से न पाकिस्तान समझने वाला है और न ही उसकी छत्रछाया में पनप रहे आतंकवादी। उन्हें सिर्फ बन्दूक की भाषा समझ में आती है। जम्मू-कश्मीर के ये पत्थरबाज भी इन्हीं आतंकवादियों की मानस औलादें हैं, उनके साथ भी वही वैसा ही बर्ताव होना चाहिए। शहीद जवानों को हमारा शत्-शत् नमन!

RAHUL ENGINEERS LABORATORY

(An Independent Third Party Material Testing Laboratory)
ISO/IEC 17025: 2005 Accredited Laboratory by NABL (Quality Council of India)
ISO 9001: 2015 Certified Laboratory

Lalit Paneri (CEO)
9829043949

A reliable testing center for chemical and mechanical parameters of :

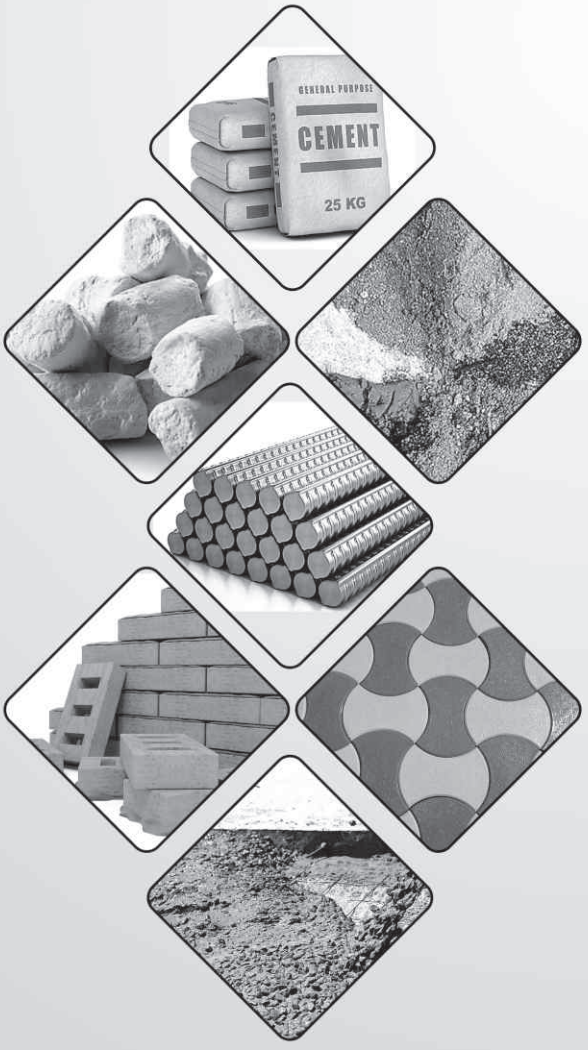

Cement	Aggregate
Bricks	Concrete
Paver Block	Soil
Rock	TMT Steel Bar
Bitumen	Bituminous Mix
Sand	Ores & Minerals
Water	Soapstone
Quartz	Feldspar
Limestone	Dolomite
China Clay	Iron Ore & Bauxite

- Diatomaceous/ Siliceous Earth
- Cement Concrete Mix Design
- Bituminous Mix Design
- Geo-Tech Investigation of Soil
- Non Destructive Test on Concrete Structure
- Field Investigation

5-A, Chitrakut Nagar, Bhuwana By-pass Road, Udaipur (Raj.) Pin- 313001 INDIA
Tel.: +91-294-2440317, 2440613, Call: +91 63503-24167, +91 81073- 43935
Email: rahul.labudr@gmail.com, Website: www.rahulengineers.com

प्रियंका के अक्स का मिलेगा राजनीतिक फायदा

प्रियंका गांधी की पूर्वी उत्तरप्रदेश के प्रभारी महासचिव के तौर पर नियुक्ति से कांग्रेस ने एक अप्रत्याशित दांव खेला है। इससे पूरे देश और खासकर उत्तरप्रदेश की 80 सीटों का चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है। राहुल गांधी की मुख्य राजनीतिक सलाहकार तो वह मानी ही जाती रही हैं। इसलिए सक्रिय राजनीति के मैदान में उनका उतरना उतना नहीं चौंकाता, जितना उन्हें पार्टी का महासचिव पद और पूर्वी उत्तरप्रदेश की कमान सौंपना कौतुहल पैदा करता है।

– रेणु शर्मा

बात साल 1999 के लोकसभा चुनाव की है जब देश की राजनीतिक की हवाओं का रुख उत्तर-पूर्व की ओर था। हर बार रायबरेली सीट गांधी और नेहरू परिवार से जुड़ी रही लेकिन इस बार रायबेरली अलग इबारत लिखने जा रही थी। इस सियासी मैदान में कांग्रेस की ओर से थे सतीश शर्मा और विरोधी खेमे से अरुण नेहरु। अरुण यूं तो राजीव गांधी के रिश्ते में भाई थे लेकिन उनकी पहचान राजनीति में वीपी सिंह के साथ मिलकर राजीव गांधी के खिलाफ बगावत बुनने वाले शख्स के तौर पर भी की जाती थी। चुनावी माहौल उफान पर था। सड़कों से लेकर गलियां और घर सभी चुनावी रंग में सराबोर थे। कांग्रेस ने जनसभा बुलाई थी। सूती साड़ी, बॉबकट बाल और इंदिरा गांधी जैसे ही नैन-नक्श वाली 27 साल की एक लड़की मंच पर आती है। वो भाषण देती है और सभी मंत्रमुग्ध हो उठते हैं। वे अपने करिश्माई भाषण में पूछती है कि 'आपने उस व्यक्ति को कैसे जिताया जिसने हमारे पिता को धोखा दिया।' भाषण खत्म होते-होते तो वह लडकी सभी के जहन में इंदिरा का अक्स बनकर उभर जाती है। वह पल तब प्रियंका गांधी और आज की प्रियंका गांधी वाड्रा को देश की राजनीति में आने की ओर इशारा कर रहे थे। इस चुनाव में हार के बाद अरुण नेहरू ने भी स्वीकार किया कि 'प्रियंका के भाषण के प्रभाव को मैं कमजोर नहीं कर सका।' उस समय भाजपा पूरे उत्तर प्रदेश में विभाजन का शिकार थी। कल्याण सिंह नाराज थे। भाजपा को राज्य में केवल 25 सीटें मिली। एक और घटना इसी साल की है। प्रियंका गांधी अपनी मां सोनिया गांधी के पहले लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अमेठी पहुंची थीं। इस दौरान एक मीडियाकर्मी ने उनसे सवाल पूछा। सवाल था कि उनकी मां के विदेशी मूल पर विपक्ष उनके प्रति आक्रामक है, इस पर उनका क्या कहना है। तब प्रियंका पत्रकार के नजदीक जाकर हाथ आगे बढ़ाती है और पूछती है कि 'क्या आपको मेरी रगों में विदेशी खून दौड़ता दिखता है?' प्रियंका गांधी की इसी चतुराई और हाजिर जवाबी का फायदा दो दशक बाद और लोकसभा चुनाव से ठीक 100 दिन पहले मिला। माना जा रहा है कि प्रियंका पर पार्टी ने अपनी किस्मत संवारने के लिए उत्तरप्रदेश से बड़ा दांव खेला है। वजह यह भी है कि 543 सदस्यीय लोकसभा में सबसे ज्यादा सदस्य यूपी से ही पहुंचते हैं। 2014 की बात करें तो उत्तरप्रदेश की 80 सीटों में से सिर्फ रायबेरली सीट से सोनिया गांधी और अमेठी से राहुल गांधी ही सफर रहे। कांग्रेस बाकी की सीट से 78 उम्मीदवारों की नाव मोदी लहर में डूब गई। इसमें कोई दोराय नहीं कि

> **उत्तरप्रदेश की प्रभारी महासचिव के तौर पर प्रियंका का ऐलान न केवल कांग्रेस में नई जान फूंकेगा बल्कि लोकसभा चुनाव के परिदृश्य को भी बदलेगा**

उत्तरप्रदेश की प्रभारी महासचिव के तौर पर प्रियंका का ऐलान न केवल कांग्रेस में नई जान फूंकेगा बल्कि लोकसभा चुनाव 2019 के परिदृश्य को भी बदलने का काम करेगा। प्रियंका की घोषणा से पहले माना जा रहा था कि राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस के पास राहुल गांधी के बाद प्रधानमंत्री को टक्कर देने वाला कोई व्यक्ति नहीं है। लेकिन अब हिंदी पर पकड़ और दादी से मिलते जुलते नैन-नक्श वाली प्रियंका को पीएम मोदी के काट के तौर पर देखा जा रहा है। वैसे भी 543 लोकसभा सीट पर कांग्रेस अगर 400 पर लड़ती है तो हर जगह राहुल गांधी का पहुंचना मुमकिन नहीं होगा। ऐसे में हिंदी हार्टलैंड और ट्राइबल बेल्ट में कांग्रेस के प्रचार में प्रियंका तुरुप का पत्ता साबित होगी। वैसे भी प्रियंका गांधी के पास जनता को कनेक्ट करने की कूवत है। वे अपनी बात सहजता से कहने में सिद्धहस्त है। महिला होने से आधी आबादी को सहज तौर पर जोड़ने का काम भी आसानी से करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य बीजेपी नेताओं के लिए प्रियंका पर हमला करना आसान नहीं होगा। कांग्रेस का दावा है कि प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी मिलने से बीजेपी परेशान और चिंतित है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि राहुल गांधी का यह फैसला भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ सकता है। जो लोग राहुल गांधी से सहज नहीं है वो प्रियंका के साथ अपनी बात कर सकते हैं। ये कांग्रेस के लिए फायदेमंद होगा हैं।

अग्नि परीक्षा की घड़ी

दो दशक बाद प्रियंका पूर्वी उत्तरप्रदेश के प्रभारी के तौर पर पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों की क्षमता को चुनौती देंगी। यह प्रियंका के लिए यह अग्नि परीक्षा भी है। प्रियंका जिस क्षेत्र की प्रभारी है उसी क्षेत्र में पीएम मोदी की सीट वाराणसी और योगी का गढ़ गोरखपुर आता है। 42 सीटों वाले पूर्वी यूपी में अवध, पूर्वांचल और निचले दोआब शामिल है। 2014 में कांग्रेस का प्रदर्शन यही सबसे खराब रहा है। इस क्षेत्र में सवर्णों, मुख्य रूप से ब्राह्मणों का बड़ा वोट बैंक है जो कभी कांग्रेस का आधार था। प्रियंका के माध्यम से कांग्रेस को भाजपा से अपना पुराना हिसाब चुकता करना आसान हो जाएगा। इसके लिए प्रियंका को हिन्दू पहचान के साथ जोर-शोर से दिखाने का प्रयास जारी है। इसी साल भाजपा ने कांग्रेस के हाथ से सवर्ण और कुर्मी वोट छिन लिए तो मुसलमान वोट सपा की ओर खिसक गए। ऐसे में प्रियंका को कुर्मियों, ब्राह्मणों और गैर-ठाकुर सवर्णों का समर्थन फिर से हासिल करना होगा। इसके अलावा युवा मतदाताओं को भी कांग्रेस की तरफ जोडने में महत्ती भूमिका निभानी होगी।

चुनाव लड़ने की संभावना पर लगा विराम

कांग्रेस की नवमनोनीत राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बसंत पंचमी के बाद यानी 11 फरवरी से लगातार दौरे पर हैं। उनका ये दौरा लखनऊ से शुरू हुआ। पहले ही दिन प्रियंका का मंच से संबोधित नहीं देना आमजन को खला लेकिन प्रियंका के आगमन से कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल रहा। इधर, प्रियंका ने लखनऊ सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के कयास को सिरे से खारिज किया। पूर्वी उत्तरप्रदेश के संसदीय क्षेत्रों के पदाधिकारियों की बैठक में उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लडने की घोषणा की। प्रियंका को 42 और ज्योतिरादित्य सिंधिया को 38 सीटों की जिम्मेदारी मिली है। लखनऊ सीट से सात बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है। चुनावी मुकाबले में कुल सात ही बार वो दूसरे स्थान पर रही। फूलपुर, अमेठी और रायबरेली की तरह लखनऊ भी किसी जमाने में नेहरू-गांधी परिवार की परंपरागत सीट रही है। पार्टी सूत्रों की माने तो प्रियंका के लिए ऐसी सीट की तलाश की जा रही है जिससे आसपास की सीटों को प्रभावित करने के साथ-साथ दूर तक कांग्रेस की मजबूती का संदेश दिया जा सके। नेहरू परिवार की इस सीट पर पिछले ढाई दशक से बीजेपी का कब्जा है। ऐसे में प्रियंका अवध क्षेत्र, पश्चिमी व पूर्वी उत्तर प्रदेश की दो दर्जन से ज्यादा सीटों को सीधे तौर पर प्रभावित करेंगी।

भांग से बनी दवाओं के परीक्षण की तैयारी

भारत की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने भांग से कैंसर ,मिर्गी और स्किल सेल रोग के उपचार की तीन दवाएं विकसित की हैं। जिनके पशुओं पर परीक्षण शुरू कर दिए गए हैं तथा मानव परीक्षण के लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल से अनुमति मांगी गई है। तीनों दवाओं को अमेरिका में विकसित दवाओं की तर्ज पर भारतीय जरूरतों के हिसाब से विकसित किया गया है। अमेरिका में तीनों बीमारियों की भांग से बनी ऐसी दवाओं को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। सीएसआईआर की तरफ से भांग से दवा निर्माण को लेकर पहली बार विभिन्न पक्षों के साथ उच्चस्तरीय विचार-विमर्श किया गया। जम्मू स्थित प्रयोगशाला इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन(आईआईआईएम)ने जम्मू-कश्मीर सरकार से भांग से दवा निर्माण के लिए विशेष लाइसेंस लिया हुआ है। दरअसल, नारकोटिक्स के तहत आने के कारण शोध के लिए भी भांग उपलब्ध नहीं होती है। उन्होंने कहा कि भांग में मौजूद एक तत्व सीबीडी(कैनाबिडिओल) से यह दवाएं बनाई जा रही हैं। लैब ने भांग की एक ऐसी प्रजाति ढूंढ निकाली है, जिसमें सीवीडी 4-6 फीसदी तक है। यह अच्छी मात्रा है, क्योंकि बाकी प्रजातियों में इसकी मात्रा काफी कम होती है। उम्मीद है कि ये दवाएं दो साल के भीतर लोगों को उपलब्ध हो सकेंगी। इन दवाओं को बयोइक्वेंस श्रेणी में बनाया जाएगा। इसमें यह साबित करना होता है कि इन दवाओं का प्रभाव वैसा ही है जैसा अमेरिका में स्वीकृत दवाओं का है।

कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना

- ममता दी ने पार की पद गरिमा की सीमा रेखा
- सारधा चिटफंड घोटाले की जांच में अड़चन पैदा करने और अपने पुलिस कमिश्नर को बचाने की क्यों आई नौबत?

कोलकाता में फरवरी के पहले हफ्ते में जो हंगामा हुआ, उसमें सारधा और रोज वैली जैसी योजनाओं के नाम पर हुई कथित घपलेबाजी मुख्य रूप से है। लोगों के लिए यह तय कर पाना भी मुश्किल हो रहा है कि बड़ा तोता कौन है? केंद्र की सीबीआई या पश्चिम बंगाल सरकार की पुलिस? ममता दी ने कोलकता के पुलिस कमिश्नर को गिरफ्तारी से बचाने के लिए उस हद को भी पार कर लिया, जो हम मुख्यमंत्री के लिए कतई उचित नहीं था। लोग यह समझ रहे है कि इस मामले में उनकी निगाहें कहां थी और निशाना कौन था। यदि यह कहा जाए कि ये पूरा मामला लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में राजनीतिक निहितार्थ की एक तलाश भर थी, तो कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी।

- मदन पटेल

पश्चिम बंगाल की राजनीति में जिस दादागिरी का विरोध कर ममता बनर्जी राज्य की सत्ता में आई थीं उसी दादागिरी के तेवर इन दिनों दिखाई दे रहे है। 12 साल पहले विपक्ष में रहते तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता दीदी हुगली जिले के सिंगूर में टाटा के लखटकिया नैनो प्रोजेक्ट के लिए ली गई किसानों की जमीन लौटाने की मांग को लेकर 25 दिनों तक भूख हड़ताल पर बैठी थीं। लेकिन 3 जनवरी 2019 की रात को मुख्यमंत्री की गरिमा को अपने सरकारी आवास की ताक में रखकर राज्य के एक नौकरशाह (पुलिस आयुक्त कोलकाता) राजीव कुमार के बचाव में वे न केवल धरने पर बैठीं, केंद्र सरकार और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी तक को उलजुलूल कह डाला। इस धरने की जाजम से उठी सर्द गर्माहट ने सियासी गलियारों में उफान ला दिया। एक नौकरशाह के बचाव में इस तरह किसी मुख्यमंत्री के धरना देने की ये पहली घटना है। कहा जा रहा है कि महागठबंधन के तार जोड़ने और दिल्ली का तख्ता पलटने की कुव्वत का दावा करने वाली दीदी के मोहरे इन दिनों बंगाल की सियायी बिसात पर एक-एक कर पिटने लगे हैं। राजीव कुमार पर सीबीआई ने शिकंजा कसा तो वे तमतमा गई। सारधा और रोजवैली चिटफंड घोटालों में तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के चेहरे सामने आने के बाद ममता बैकफुट पर थीं। बाद में अपनी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी को राजनैतिक बदला बताकर 'विक्टिम कार्ड' खेला और इसे एक बड़ा मुद्दा बना दिया। इधर, राज्य में अपने लिए जमीन की तलाश में जुटी भाजपा आए दिन 'दीदी' के किले की दीवारें कमजोर करने में लगी थी। ऐसे में राजीव कुमार प्रकरण के बहाने ममता को दिल्ली को अपना दम दिखाने का मौका हाथ लगा। महागठबंधन रूपी भानुमति के कुनबे को जोडने में लगीं ममता को विरोधी नेताओं का समर्थन भी जमकर मिला। एक तरफ भाजपा सारधा, नारदा, रोजवैली घोटाले के जरिए ममता के दामन को दागदार साबित करने में लगी है तो दूसरी ओर घोटालों को लेकर बैकफुट पर आई ममता इस घटना से लोगों में अपने प्रति सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रही हैं। राजीव कुमार सारधा और रोजवैली घोटालों की जांच के लिए बनाई गई एसआईटी का हिस्सा थे। जिसमें उन पर सबूतों से छेड़छाड़ और उन्हें मिटाने का आरोप सीबीआई ने लगाया था। राजीव कुमार का जो भी हो 37 हजार करोड़ के शारदा और रोजवैली चिटफंड घोटालों को लेकर मझधार में फंसी 'दीदी' अब 'कुमार' को पतवार बनाकर चुनावी

वैतरणी पार करने की कोशिश में हैं। सवाल ये भी उठने लगे हैं कि हमेशा निडर रहने वाली ममता बनर्जी ने सीबीआई के शिकंजे से डरकर ही तो महागठबंधन की नींव नहीं रखी? यदि ऐसा है तो फिर बेशक इसके छींटें ममता तक भी जरूर आएंगे। दूसरा पहलू ये कि ऐसा नहीं है तो फिर कुणाल घोष, सुदीप बंद्योपाध्याय और मदन मित्रा जैसे अपनी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी का कड़वा घूंट क्यों पिया। उनके समर्थन में धरना क्यों नहीं दिया? कहा तो ये भी जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने राजीव कुमार को गिरफ्तारी से तो बचा लिया लेकिन ममता के आश्रय में वो ज्यादा दिन महफूज नहीं हैं। धरने पर बैठी ममता ने पहले यह कहा कि मैं अपनी जान देने के लिए भी तैयार हूं लेकिन कोई समझौता नहीं करूंगी। मुझे इस बात पर नाराजगी है कि केंद्र ने एक सीनियर पोस्ट का अपमान किया है। ममता जिस वक्त धरने पर बैठी थी अगले ही दिन उनके राज्य का बजट भी पेश होने वाला था। लेकिन ममता ने धरना स्थल से ही विधानसभा सत्र को संबोधित किया। यहां बैठकर ही फाइलें साइन की। बहरहाल ये कहा जा सकता है कि आम चुनाव के पहले घोटालों की बहिंया खोलकर सीबीआई के जरिए भाजपा ममता पर शिकंजा कसना चाहती है तो दीदी सीबीआई कार्रवाई पर समर्थन जुटाकर खुद को पाक साफ साबित कर भाजपा का खेल बिगाड़ना चाहती है।

हेलीकॉप्टर नहीं उतारने का ठिस?

माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में करारी हार के बाद भाजपा आलाकमान ने पश्चिम बंगाल पर कब्जे के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा गठबंधन और प्रियंका की एंट्री से उसकी मुसीबतें बढ़ गई हैं। बाजी हाथ से फिसलती देख उसने 42 लोकसभा सीटों वाले पश्चिम बंगाल की ओर रुख किया है। इधर, क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर ममता बनर्जी 34 सीटों के साथ दिल्ली तख्त का ख्वाब देख रहीं हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी ममता किंगमेकर की भूमिका में रहना चाहती है। भाजपा के लिए ममता जितनी बड़ी गल फांस हैं, ममता के लिए भाजपा भी उतनी ही बड़ी चुनौती। भाजपा ध्रुवीकरण के माध्यम से ममता के गढ़ में घुसती नजर आ रही है। बहरहाल परिणाम तो आसन्न चुनाव ही बता पाएंगे। ममता सरकार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रैली के लिए बालूरघाट में हेलीकॉप्टर उतारने की अनुमति नहीं दी। ऐसे में योगी को फोन पर ही आकाश में उड़ते रैली को संबोधित करना पड़ा। इस घटना के एक दिन बाद सीबीआई की 40 सदस्यों की टीम ममता के करीबी पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के घर दस्तक देने पहुंची। ममता इससे पहले भी भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की रथयात्रा रोक चुकी हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखकर कहा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल की राजनैतिक बिसात पर शह और मात का खेल लंबा चलने वाला है। देखना ये है कि ममता दी की दादागिरी चलती है या मोदी का मैजिक। पश्चिम बंगाल में भाजपा के पास तो खोने के लिए कुछ नहीं है लेकिन दीदी की साख की तो पूरी पूंजी ही दांव पर है।

क्या है रोज वैली घोटाला

यह घोटाला करीब 15000 करोड़ रुपए का है। इसमें भी आशीर्वाद और होलिडे मेंबरशिप स्कीम में पैसा लगाकर रकम कई गुना करने का वादा किया गया। बताया जाता है कि यह कंपनी करीब एक लाख निवेशकों से करोड़ों रुपए वसूल कर फरार हो गई।

इन लोगों पर आरोप : रोज वैली ग्रुप के प्रबंध निदेशक शिवमय दत्ता इस घोटाले के मास्टरमाइंड हैं। इसके तार बॉलीवुड और रिएल स्टेट कारोबारियों से भी जुड़े होने के आरोप हैं। घोटाले में नाम आने के बाद पिछले महीने श्री वेंकटेश फिल्म्स के चीफ श्रीकांत मोहता को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी ने 'रोज वैली से राशि स्वीकार करने' के संबंध में मोहता को नोटिस दिया था। दक्षिण कोलकाता में उनसे पूछताछ भी की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ही दिया था सीबीआई जांच का आदेश

मनी लॉन्ड्रिंग और कंपनी नियमों को दरकिनार करने के आरोपों के चलते 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को इसकी जांच के आदेश दिए थे। सारधा ग्रुप ने सिर्फ चार साल में पश्चिम बंगाल के अलावा झारखंड, उड़ीसा और पूर्वोत्तर राज्यों में 300 ऑफिस खोले थे। रोज वैली और सारधा चिटफंड मामले में सीबीआई ने अब तक 80 चार्जशीट फाइल की हैं। 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा रिकवर भी किए जा चुके हैं।

राजीव कुमार से ऐसे जुड़े घोटाले के तार

इस घोटाले की जांच करने वाली पश्चिम बंगाल पुलिस की एसआईटी टीम की अगुआई 2013 में राजीव कुमार ने की थी। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि एसआईटी जांच के दौरान कुछ खास लोगों को बचाने के लिए घोटालों से जुड़े कुछ अहम सबूतों के साथ या तो छेड़छाड़ हुई थी या फिर उन्हें हटा दिया गया था। सीबीआई राजीव कुमार से इसी सिलसिले में पूछताछ करना चाहती है। पुलिस से टकराव के बाद सुप्रीम कोर्ट गई जांच एजेंसी ने कहा कि राजीव कुमार जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और वे सबूत नष्ट कर सकते हैं। राजीव कुमार पश्चिम बंगाल कैडर के 1989 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं।

क्या है सारधा चिटफंड घोटाला

यह घोटाला अनुमानत : 2500 करोड़ रुपए का है। इसमें सागौन कारोबार के बॉन्ड्स में निवेश करने पर 25 साल बाद 34 गुना रिटर्न देने का वादा किया गया था। वहीं, आलू के बिजनेस में 15 महीने में ही रकम दोगुनी करने का लालच दिया गया। बताया जाता है कि इसमें करीब 10 लाख लोगों ने निवेश किया था।

सारधा घोटाले में इस पर लगे आरोप : सुदीप्ता सेन शारदा कंपनी की चेयरपर्सन थीं। उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है। कहा जाता है कि तृणमूल के राज्यसभा सांसद कुणाल घोष कंपनी की मीडिया डिविजन के प्रमुख थे। पार्टी के एक अन्य सांसद की फोटो इस कंपनी के विज्ञापनों में प्रसारित की गई। 2013 में लोगों का पैसा समेट कर यह कंपनी बंद कर दी गई। सुदीप्ता चम्पत हो गई। 13 अप्रैल 2013 से उससे कोई संपर्क नहीं हो सका है।

Dheeraj Doshi

Wish you a Happy Holi

MEMBER
Hotel Association,
Udaipur

Hotel Darshan Palace

UIT Circle, Saheli Marg, Udaipur 313001 (Raj.)
Phone : (0294) 2425679, 2427364, E-mail : dhiru58364@rediffmail.com
website: www.hoteldarshanpalaceudaipur.com

शक्ति, मति और भक्ति का संगम रंगीला राजस्थान

– जगदीश सालवी

'राजस्थान' मतलब पराक्रम और वीरों की भूमि। गौरवशाली अतीत को समेटने वाली ये वह जगह है जहां न जाने कितने सूरमाओं ने जन्म लिया और अपनी वीरता और अद्भुत शौर्य का परिचय देते हुए न सिर्फ राजस्थान बल्कि देश की एकता, अखंडता, सभ्यता और संस्कृति को अक्षुण्ण रखने में अपने प्राण तक न्यौछावर कर दिए। राजस्थान की दिलचस्प लोक कला और संस्कृति दुनियाभर में मशहूर है। समृद्ध संस्कृति के साथ-साथ हैरतंगेज अतीत, खासतौर पर यहां के राजा-महाराजाओं की वीरता और रोचक किस्से इसका आधार हैं। भौगोलिक तौर पर यह देश (देश के कुल क्षेत्रफल का 10.41 फीसदी) का सबसे बड़ा प्रदेश (342,239 वर्ग किमी) है। जनसंख्या के लिहाज से 2011 की जनगणना के मुताबिक (68,621,012) यहां देश के तकरीबन 5.67 फीसदी लोग निवास करते हैं। राजस्थान का अतीत अपनी आगोश में दुनिया की सबसे पुरानी सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष समेटे हुए है। यकीनन इसे सभ्यताओं का 'पलना' कहा जा सकता है, जहां सभ्यता और संस्कृति का अविरल प्रवाह रहा। हनुमानगढ़ जिले में घग्गर-हकरा नदी के किनारे मौजूद कालीबंगा उस अतीत की कहानी बयां करता है जब पूरी दुनिया आदिम युग में जी रही थी और उन्नत सभ्यता और संस्कृति मौजूद थी। बहरहाल, प्राचीन काल के बाद राजस्थान को अब इसके राजसी शानो-शौकत के लिए जाना जाता है।

भारत में विलय की कहानी

30 मार्च, 1949 को राजस्थान भारत गणराज्य का हिस्सा बना। राजा-रजवाड़ों के किस्सों की ही तरह राजस्थान का भारत में विलय भी दिलचस्प है। 1947 में जब देश आजाद हुआ तब अंग्रेजों की शासन पर पकड़ खत्म हो चुकी थी। देशी रियासतों ने फिर से ताकत जुटाना शुरू कर दिया था। मौजूदा राजस्थान को भौगोलिक क्षेत्र के लिहाज से देखें तो आजादी के वक्त राजस्थान में 22 रियासतें थीं। इनमें से केवल अजमेर (मेरवाड़ा) ब्रिटिश शासन के कब्जे में था बाकी 21 रियासतें स्थानीय शासकों के अधीन थीं। ब्रिटिश सरकार से भारत के आजाद होते ही अजमेर रियासत भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 के करारों के मुताबिक खुद-ब-खुद भारत का हिस्सा बन गई। शेष 21 रियासतों में से ज्यादातर राजा खुद को स्वतंत्र राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। राजाओं का कहना था कि उन्होंने आजादी के लिए संघर्ष किया है और उन्हें शासन चलाने का अच्छा तजुर्बा भी है इसलिए उनके राज्यों को स्वतंत्र राज्य के तौर पर भारत में शामिल किया जाए और शासन उनके ही अधीन रहने दिया जाए। 18 मार्च, 1948 को सरदार वल्लभ भाई पटेल और उनके सचिव वी.पी. मेनन ने एकीकृत राजस्थान के लिए अलग-अलग राजाओं को भारत में शामिल होने की प्रक्रिया के लिए राजी करने की कोशिशें शुरू की। नवंबर 1956 में मौजूदा राजस्थान का स्वरूप बन सका।

पाकिस्तान में मिलना चाहती थी जोधपुर रियासत

मोहम्मद अली जिन्ना जोधपुर (मारवाड़) को भी पाकिस्तान में मिलाना चाहते थे। वहीं जोधपुर के शासक हनवंत सिंह कांग्रेस के विरोध और अपनी सत्ता के स्वतंत्र अस्तित्व की महत्वाकांक्षा में पाकिस्तान में शामिल होना चाहते थे। अगस्त 1947 में हनवंत सिंह धौलपुर के महाराजा तथा भोपाल के नवाब की मार्फत जिन्ना से मिले। हनवंत सिंह की जिन्ना से बंदरगाह की सुविधा, रेलवे का अधिकार, अनाज तथा शस्त्रों के आयात आदि के विषय में बातचीत हुई। जिन्ना ने उन्हें हर तरह की शर्तों को पूरा करने का आश्वासन दिया। भोपाल के नवाब के प्रभाव में आकर हनवंत सिंह ने उदयपुर के महाराणा से भी

पाकिस्तान में सम्मिलित होने का आग्रह किया। लेकिन उदयपुर ने हनवंत सिंह के प्रस्ताव को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि एक हिंदू शासक हिंदू रियासत के साथ मुस्लिम बहुल देश में शामिल नहीं होगा। हनवंत सिंह को भी इस बात ने प्रभावित किया और पाकिस्तान में मिलने के सवाल पर पुनर्विचार को मजबूर कर दिया। पाकिस्तान में मिलने के मुद्दे पर जोधपुर का माहौल तनावपूर्ण हो चुका था। जोधपुर के ज्यादातर जागीरदार और जनता पाकिस्तान में शामिल होने के खिलाफ थी। माउंटबेटन ने भी हनवंत सिंह को समझाया कि धर्म के आधार पर बंटे देश में मुस्लिम रियासत न होते हुए भी पाकिस्तान में मिलने के उनके फैसले से सांप्रदायिक भावनाएं भड़क सकती हैं। वहीं सरदार पटेल किसी भी कीमत पर जोधपुर को पाकिस्तान में मिलते हुए नहीं देखना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने जोधपुर महाराज को आश्वस्त किया कि भारत में उन्हें वे सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिनकी मांग उसके द्वारा पाकिस्तान से की गई है। इसमें शस्त्र शक्ति, अकालग्रस्त इलाकों में खाद्यानों की आपूर्ति, जोधपुर रेलवे लाइन का कच्छ तक विस्तार आदि शामिल था। हालांकि मारवाड़ के कुछ जागीरदार भारत में भी विलय के विरोधी थे। वे मारवाड़ को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में देखना चाहते थे। लेकिन महाराजा हनवंत सिंह के संकेत को समझते हुए हुए भारत-संघ के विलयपत्र पर 1 अगस्त, 1949 को हस्ताक्षर कर दिए।

कण-कण में कला, संस्कृति और शौर्य

राजस्थान यूं तो अपने रेगिस्तानी क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध है इसलिए इसे मरूधरा भी कहा गया है लेकिन कला, संस्कृति, उत्सव और शौर्य इसके हर कण में विद्यमान है। इतिहासकारों की मानें तो आज से एक लाख साल पहले भी राजस्थान की धरती पर मानव जीवन था। इसके साथ ही अतिप्राचीनकाल में उत्तर-पश्चिमी राजस्थान वैसा बीहड़ मरुस्थल नहीं था जैसा वह आज है। इस क्षेत्र से होकर सरस्वती और दृशवती जैसी विशाल नदियां बहा करती थीं। काफी पहले से ही यहां राजा-महाराजाओं के राज हुआ करते थे। 30 मार्च 1949 को जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों का विलय होने के बाद इसके 'वृहत्तर राजस्थान संघ' का नाम दिया गया। इसके बाद इसी दिन को राजस्थान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। राजस्थान शब्द का अर्थ है राजाओं का स्थान। 1805 ई. में विलियम फ्रेंकलिन ने अपने ग्रंथ 'मिल्ट्री मेमायर्स ऑफ मिस्टर जार्ज थॉमस' इस बात को कहा है कि जॉर्ज थामस ही संभवत प्रथम व्यक्ति थे जिसने इस भू-भाग के लिए राजपुताना शब्द का प्रयोग किया। जबकि राजस्थान के लिए सर्वप्रथम रायथान, राजस्थान शब्द का प्रयोग 1829 ई. में कर्नल जेम्स टॉड के द्वारा अपने ग्रंथ 'द एनाल्स एण्ड एन्टीक्वीटीज ऑफ राजस्थान' में किया गया था।

मीठे के साथ या तुरंत बाद न पीएं पानी

मीठा खाने के बीच या तुरन्त बाद पानी पीने की आदत ठीक नहीं। ऐसा करने वाले संभल जाए। मीठे के साथ पानी पीने की आदत मोटापे और टाइप-2 डाइबिटीज को दावत दे सकती है। दक्षिण अमेरिका के सूरीनाम स्थित एन्टॉन डि कॉम यूनिवर्सिटी के अध्ययन में यह दावा किया गया है।

इंसुलिन के बेअसर होने का डर : शोधकर्ताओं के मुताबिक पानी मीठे व्यंजनों से ग्लूकोज सोखने की शरीर की क्षमता बढ़ाता है। इससे खून में शुगर के स्तर में इजाफा होता है। मस्तिष्क बढ़ी हुई शुगर को ऊर्जा में तब्दील करने के लिए अग्नाशय को इंसुलिन के उत्पादन में तेजी लाने का संदेश देता है। शोधकर्ता जॉर्ज फिलिप ने चेताया कि अधिक मात्रा में इंसुलिन पैदा होना भी ठीक नहीं। पांच सत्रों में हुए इस अध्ययन के नतीजे 'जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन ईएसपीईएन' के अंक में प्रकाशित हुए हैं।

आधे घंटे का अंतर

फिलिप और उनके साथियों ने प्रथम सत्र में 35 प्रतिभागियों को खाली डोनट खाने को दिया। दूसरे सत्र में उन्हें पानी के साथ डोनट का सेवन कराया। तीसरे सत्र में डोनट खाने से आधे घंटे पहले और चौथे सत्र में आधे घंटे बाद पानी पिलाया। पांचवें सत्र में प्रतिभागियों को एक साथ दो डोनट का सेवन कराया गया। इसमें डोनट खाने के बीच में पानी पीने वाले प्रतिभागियों का ब्लड शुगर सबसे अधिक, साथ खाने वालों के मुकाबले भी ज्यादा था। डोनट के सेवन से आधे घंटे बाद पानी पीने वालों में मात्रा सबसे कम पाई गई।

Wish You a Happy Holi

Paragon

The Mobile Shop

vivo oppo

Redmi 1S honor

NOKIA Connecting People

MOTOROLA

Jio

BlackBerry

mi

INTEX

GiONEE SMART PHONE

htc

SAMSUNG

lenovo. FOR THOSE WHO DO.

LAVA MOBILE PHONE

SONY

itel

cromax nothing like anything

and all other mobile trusted brands are available under one roof..

For More Detail Pls Contact

Paragon The Mobile Shop

23, inside Udaipole Udaipur Contact No. 0294-2383373, 9829556439

'त्रिवेणी' पर जनसैलाब

- मोहन गौड़

हर-हर महादेव, बोल बम-बोल बम, जय सियाराम और जय जय श्रीराम का गगनभेदी उद्घोष। क्या नागा संन्यासी, क्या संत-महात्मा, क्या उनके अनुयायी। हर कोई बासंतिक रंग में रंगा हुआ था। हाथों में थे गेंदे के फूल। संत-महात्माओं के अखाड़ों ने जुलूस के साथ शाही स्नान किया। मौका था बसंत पंचमी पर कुंभ के तीसरे शाही स्नान का। पूरे उल्लास और उमंग के साथ इस दिन करीब डेढ़ करोड़ लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। आखिरी शाही स्नान पर श्रद्धालुओं के उत्साह के आगे मौसम की दुश्वारियां भी बौनी पड़ गई। अखाड़ों का शाही जुलूस हर बार की तरह इस बार भी अपनी भव्यता बिखेरता रहा। कई किमी चलकर संगम पर पहुंचे श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। बसंत पंचमी का स्नान पूर्व संध्या से ही शुरु होने से रात तक भारी भीड़ जुटी। इस दौरान संत-महात्माओं पर हेलीकॉप्टर ने पुष्प वर्षा की। किन्नर अखाड़ा अपनी परंपरा के अनुसार देर शाम शिविर से निकला और भारद्वाज घाट पर अमरत्व स्नान किया। किन्नर अखाड़ा के साथ ही बड़ी संख्या में उसके अनुयायी और समर्थक भी शामिल हुए।

बसंत का उल्लास शाही स्नान खास

आमने-सामने हुए नागा

शाही जुलूस के दौरान एक पल ऐसा भी आया जो सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए कौतूहल का था। श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा व तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाड़े के नागा संन्यासी शाही स्नान करके लौट रहे थे और सामने से श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा व श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा के हजारों नागा संन्यासियों का समूह शाही स्नान के लिए संगम की ओर जा रहा था। श्रद्धालुओं के अपार समूह को देखकर अखाड़ों के नागा संन्यासियों ने भी करतब दिखाना शुरू कर दिया। इससे नागा संन्यासी आमने-सामने की स्थिति में आ गए। इधर, पिछले दो शाही स्नान में देरी को देखते हुए मेला प्राधिकरण व अखाड़ा परिषद के बीच बैठक होने के बाद बसंत पंचमी पर सभी ने समय का पूरा ध्यान रखा। महानिर्वाणी, अटल, निरंजनी, आनंद, जूना, आवाहन, अग्नि अखाड़े निर्धारित समय से अपनी छावनी के साथ शाही स्नान के लिए निकले और लौटे। इसी प्रकार वैरागी परंपरा के निर्माही अनि, दिगंबर अनि व निर्वाणी अनी अखाड़े के अलावा श्री पंचायती अखाड़ा, नया उदासीन, बड़ा उदासीन व निर्मल अखाड़ा के संत-महात्माओं ने भी शिविर से प्रस्थान, घाट पर आगमन, स्नान समय, घाट से प्रस्थान व शिविर में पहुंचने के तय क्रम का ख्याल रखते हुए सनातन परंपरा में अपनी समरसता का परिचय दिया।

एक दिन पूर्व संत समाज को साध गए शाह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने एक दिन पूर्व कुंभ प्रवास के दौरान संत समाज को साधने का भरपूर प्रयास किया। संगम नोज पर जुटे संत समाज ने एक स्वर में शाह को आगामी 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत का आशीर्वाद दिया। इस दौरान अमित शाह ने संतों के साथ स्नान और स्नेहभोज कर राम मंदिर मुद्दे पर बढ़ रही खाई को पाटने की कोशिश की। इधर, खेमों में बंटे संत शाह के आगमन से पहले एक साथ दिखाई दिए। राममंदिर की परौकर अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत धर्मदास का रुख अमित शाह के आगमन से पहले उखड़ा हुआ था। हालांकि संगम नोज पर ही बातचीत के बाद वे मीडिया के समक्ष अमित शाह को दौबारा सरकार बनाने का आशीर्वाद देते नजर आए।

फहराई ध्वज-पताका, गूंजा जयघोष

संन्यासी परंपरा के अखाड़ों के बाद और वैरागी परंपरा के अंतर्गत आने वाले अखिल भारतीय श्रीपंच निर्मोही अनि अखाड़ा, दिगंबर अनि, निर्वाणी अनि अखाड़ा का एक के पीछे क्रम के अनुसार जुलूस शाही स्नान के लिए निकला। इन अखाड़ों के जुलूस की खासियत यह रही कि ध्वज-पताका लेकर अनुयायी चल रहे थे तो फटका व गतका से रोमांच दिखाते हुए संन्यासी जनसमूह को अचंभित कर रहे थे। रथों पर सवार होकर निकले त्यागी महामंडलेश्वरों के साथ चल रहे अनुयायी ढोल-ताशा की धुन पर जय श्रीराम, जय सियाराम का उद्घोष करते रहे।

मौनी अमावस्या पर 5 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी

बसंत पंचमी से पूर्व मौनी अमावस्या पर 4 फरवरी को 40 घाटों पर करीब 5 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। 3 फरवरी की मध्य रात्रि से मौनी अमावस्या का स्नान शुरु हो गया जो अगले दिन की रात्रि तक चलता रहा। सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी और श्री पंचायती अटल अखाड़ा के साधु संतों ने सुबह सवा 5 बजे संगम घाट पर शाही स्नान किया। इसके बाद श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा और तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाड़ा के साधु संतों ने शाही स्नान किया। तीसरे नंबर पर पंच दशनाम जूना अखाड़ा, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा और श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा के साधु संतों ने सुबह 8 बजे शाही स्नान किया। दूसरे शाही स्नान पर भी हेलीकॉप्टर से नागा साधु संन्यासियों से पुष्प वर्षा की गई। अग्नि अखाड़ा के बाद किन्नर अखाड़ा का अमृत स्नान लोगों का आकर्षण का केंद्र रहा और श्रद्धालुओं को किन्नर संन्यासियों से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उनके रथ की ओर भागते हुए देखा गया।

WISH YOU A HAPPY HOLI

HOTEL VENKTESH

A Place of Royal Hospitality

For Booking Contact :
098873 88428, 088758 58584

2/5, Dholi Magri, Shivaji Nagar, Nr. Railway Station, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294-2481083, E-mail : hotelvenkteshudr@gmail.com

गरीबों के हक़ की आवाज़ थे जॉर्ज

एनडीए के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करके वे गैर कांग्रेसी गठबंधन के 'चाणक्य' कहलाए

- नंद किशोर शर्मा

समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस के जीवन के वैसे तो कई महत्वपूर्ण आयाम थे, लेकिन उन्हें गैर कांग्रेसी राजनैतिक गठबंधन खड़ा करने के लिए भी हमेशा याद किया जाएगा। केन्द्र में जब तीसरे मोर्चे की सरकारें फेल हो रही थीं और भाजपा के साथ जुड़ने के लिए राजनैतिक दल तैयार नहीं थे, उस दौर में जॉर्ज ने विभिन्न दलों को एकजुट कर एनडीए के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और लम्बे समय तक वे उसके संयोजक भी रहे। जब 1998 में एनडीए का गठन हुआ, तब तक जनता दल दो फाड़ हो चुका था। एक की अगुआई नीतिश कुमार कर रहे थे, जबकि दूसरे यानी समता पार्टी की कमान जॉर्ज के हाथ में आ चुकी थी। लेकिन उनका दल बिहार के चुनाव में खास प्रदर्शन नहीं कर पाया था। इसी साल लोकसभा चुनाव के नतीजों से जब किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो एनडीए(नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) के गठन की पहल हुई। इस पहल के चार अगुआ थे। अटल बिहारी वाजपेयी, प्रकाश सिंह बादल, बाला साहेब ठाकरे और खुद जॉर्ज फर्नांडिस। दरअसल भाजपा, अकाली दल और शिवसेना-तीनों के मूल में धार्मिक रूझान के कारण विचार मिलते थे। इसलिए कोई दल इनके साथ आने को तैयार नहीं था। ऐसे में जॉर्ज ने एक साहसिक निर्णय लिया और पहली बार विचारधारा से इतर कोई दल एनडीए का घटक बना तो वह जॉर्ज की समता पार्टी थी। अन्य दलों को भी उन्होंने एनडीए से जोड़ा और इसके संयोजक बने।

देश ने इस 88 वर्षीय करिश्माई राजनैतिक शख्सियत को खो दिया। उन्होंने अपने अनूठे व्यक्तित्व की बदौलत राजनैतिक सीमाओं के परे विभिन्न विचारधारा के राजनैतिक दलों का आदर एवं सम्मान प्राप्त किया। उन्होंने जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों को सदैव सर्वोपरि रखा और साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक सद्भाव को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जॉर्ज राष्ट्रवादी विचारधारा के कट्टर समर्थक, संवेदनशील और गरीबों के लिए चिंतन करने वाले खांटी समाजवादी थे। सार्वजनिक जीवन के दौरान कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी वे अपनी विचारधारा पर अडिग रहे।

जॉर्ज नौ बार लोकसभा के सदस्य बने। उन्होंने 1967 में पहली बार लोकसभा में प्रवेश किया। 3 जून, 1930 को मंगलौर में जन्मे जॉर्ज 1975 में आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के खिलाफ लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा आहूत आन्दोलन में एक मज़बूत आवाज़ बनकर उभरे थे। वे बेदाग राजनीति के प्रतीक रहे। वे हिन्दी, अंग्रेजी, लैटिन सहित अनेक भारतीय भाषाओं के जानकार थे। मंगलौर में अपने 6 छोटे भाइयों के साथ पले-बढ़े फर्नांडिस जब 16 साल के हुए तो क्रिश्चियन मिशनरी में पादरी बनने की शिक्षा लेने भेजे गए पर वहां के हालात से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने 18 साल की उम्र में चर्च छोड़ दिया। इस दौरान वे सोशलिस्ट पार्टी और ट्रेड यूनियन आन्दोलनों में सक्रिय हो गए। चौपाटी की बेंच पर सोया करते थे। बिखरे बाल और पतले चेहरे वाले फर्नांडिस खादी के कुर्ता-पैजामे, घिसी हुई चप्पलों और चश्मे में खांटी एक्टिविस्ट लगते थे। 1950 के आते-आते तो वे टैक्सी ड्राइवर यूनियन के बेताज बादशाह बन गए। राम मनोहर लोहिया उनके प्रेरणास्रोत थे। इन्हीं दिनों लोग उन्हें 'अनथक विद्रोही'(रिबेल विदआउट ए. पॉज) कहने लगे थे। मुम्बई के गरीबों और मध्यवर्गीय लोगों के लिए तो वे 'हीरो' थे। उनकी इसी लोकप्रियता ने उन्हें 1967 के चुनाव में लोकसभा में प्रवेश का मौका दिया। तब उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता एस. के. पाटिल को भारी मतों से पराजित किया। पाटिल की शोहरत नेहरू, शास्त्री के बाद इंदिरा युग तक में भी कांग्रेस के लिए चंदा जुटाने वाले मजबूत शख्स के रूप में थी। आपातकाल के दौरान जॉर्ज को बड़ौदा डायनामाइट केस में गिरफ्तार किया गया था। जेल में रहने के दौरान वे कैदियों को श्रीमद्भगवद् गीता व्याख्या सहित सुनाया करते थे। आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी सरकार में मंत्री के रूप में उन्होंने सदैव गरीबों के हक़ की आवाज को बुलन्द रखा। उद्योग मंत्री रहते हुए 1977 में 'कोका कोला' को देश से बाहर का रास्ता दिखाया। उनके रक्षामंत्री रहते देश ने कारगिल का युद्ध जीता। उनके कार्यकाल में ही परमाणु परीक्षण कर देश विश्व की महाशक्ति बना। ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फेडरेशन के अध्यक्ष रहते जॉर्ज ने 8 मई, 1974 में देश में सबसे बड़ी रेल हड़ताल का आव्हान किया और उसी क्षण 15 लाख कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। जो ट्रेन जहां चल रही थी, तत्काल वहीं खड़ी हो गई। रेल व्यवस्था चरमरा गई थी। हड़ताल को नाकाम करने के लिए सरकार ने 30 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को गिरफ्तार किया लेकिन अंततः सरकार को झुकना पड़ा। वी. पी. सिंह सरकार में 1998-2001 में वे बतौर रेलमंत्री शामिल हुए। एक दूरदर्शी रेलमंत्री कहलाए और कर्मचारियों को खुश रखते हुए उन्होंने देश भर में नए रेलमार्गों को खोलकर देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राजनीति और परिवार में भी विवाद उनके साथ-साथ चलते रहे और एक समय ऐसा आया कि हालात और बीमारी ने उन्हें गुमनामी के अंधेरे में ढकेल दिया। सक्रिय राजनीति से करीब पन्द्रह वर्ष तक अलग-थलग रहने के बाद उन्होंने 29 जनवरी 2019 को दुनिया से कूच किया। जॉर्ज जैसे नेता की छवि और गुण आज के नेताओं में दीया लेकर ढूंढने पर भी शायद ही मिले।

जींद में मिड्डा, रामगढ़ में साफिया

- गुंजेश दीक्षित

साल 2014 की बात है। केंद्र में भाजपा जब बड़े जनाधार के साथ सत्ता में आई तो कांग्रेस के बड़े नेता और प्रवक्ता बयानबाजी से बचने लगे। पार्टी के कार्यकर्ता और नेता निराशा से दो-चार हो रहे थे तब रणदीप सिंह सुरजेवाला निराशा के बादल छांटते हुए सूरज बनकर सामने आए। उन्होंने पार्टी का पक्ष देश के सामने बड़ी सहजता और तार्किकता के साथ रखा। इसी हौसले के कारण उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया। एक साल बाद पार्टी की कम्यूनिकेशन विंग का प्रभारी बना दिया गया। चतुर राजनेता के तौर पर वे विधानसभा में विपक्षी को घेरने में भी माहिर माने जाते हैं। लेकिन हरियाणा के जींद उपचुनाव में न सिर्फ वे हारे बल्कि तीसरे नंबर पर ही खिसक गए। जींद विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव मैदान में सुरजेवाला को उतार कर कांग्रेस आलाकमान ने इसे प्रतिष्ठा की लड़ाई बना लिया था। सुरजेवाला को बीजेपी उम्मीदवार श्रीकृष्ण मिड्ढा ने 12,235 वोटों के अंतर से हराया। सुरजेवाला हरियाणा के कैथल से विधायक थे। वे 6 बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुक हैं।

उन्होंने 1996 और 2005 चुनावों में तत्कालीन मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को हराया था। हुड्डा सरकार में 2005 से 2014 तक वे मंत्री रहे। यही नहीं वे हरियाणा के सबसे कम आयु के मंत्री रहे हैं। इधर, राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजों में 99 के फेर में फंसी कांग्रेस ने रामगढ़ विधानसभा में जीत के साथ 100 का आंकड़ा हासिल कर लिया। इसी के साथ कांग्रेस पार्टी 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधानसभा में स्पष्ट बहुमत से महज 1 कदम दूर स्थिर रह गई। हालांकि, राज्य में कांग्रेस की सरकार को निर्दलियों और बहुजन समाज पार्टी का समर्थन प्राप्त है। रामगढ़ की इस जीत से पार्टी की स्थिति मजबूत हुई है। इस सीट पर बीएसपी प्रत्याशी लक्ष्मण सिंह के निधन के बाद मतदान स्थगित कर दिया गया था। 28 जनवरी को हुए उपचुनाव में निर्वाचन आयोग के मुताबिक 79.04 फीसदी मतदान हुआ था। इसमें 20 प्रत्याशी मैदान में उतरे। लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस, बीजेपी और बीएसपी के बीच माना जा रहा था। जहां कांग्रेस से पूर्व विधायक और एआईसीसी के सचिव रह चुके जुबैर खान की पत्नी पूर्व जिला प्रमुख साफिया खान मैदान में थीं।

बीजेपी ने रामगढ़ से विधायक रहे ज्ञानदेव आहुजा का टिकट काटकर सुखवंत सिंह को मैदान में उतारा था। बीएसपी ने पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के पुत्र जगत सिंह को मैदान में उतारकर मुकाबला त्रिकोणात्मक बना दिया था। साफिया खान ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी के सुखवंत सिंह को 12228 मतों से हराया। बीएसपी उम्मीदवार जगत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस की साफिया खान को 83,311 और बीजेपी से सुखवंत सिंह को 71,083 वोट मिले। जाट, दलित और मेव मुस्लिम बहुल मेवात का यह इलाका पिछली बीजेपी सरकार में गौरक्षा से जुड़ी हिंसक घटनाओं का गवाह रहा है। पिछले साल कथित गौरक्षकों के हाथों पहलू खान और उमर मोहम्मद की हत्याओं के बाद अलवर जिला लंबे समय तक सुर्खियों में रहा। राजस्थान के मेवात अंचल की अलवर लोकसभा क्षेत्र में आने वाली इस सीट से भाजपा जीत दर्ज कर यह जताने की कोशिश में थी कि प्रदेश में उसका दबदबा बरकरार है। जबकि बीएसपी अपनी जीत के जरिए अलवर लोकसभा में अपना पलड़ा भारी करने को उत्सुक दिख रही थी। हालांकि, रामगढ़ सीट पर जीत के साथ अलवर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस का आंकड़ा तीन हो गया है जो आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से अच्छी खबर है।

एक महीने बाद फिर दोहराव

दिसंबर में झारखंड की कोलेबिरा विधानसभा सीट के साथ ही गुजरात के जसदण में उपचुनाव हुए थे। कोलेबिरा कांग्रेस के खाते में गया जबकि जसदण में बीजेपी को जीत मिली। ठीक वैसे ही इस बार हरियाणा में बीजेपी जीती है तो राजस्थान में कांग्रेस को कामयाबी मिली है। जसदण और जींद दोनों ही उपचुनावों में बीजेपी ने मिलते-जुलते प्रयोग किए। जींद में बीजेपी ने जहां एनएसडी विधायक के बेटे को झटक लिया वहीं जसदण में कांग्रेस के विधायक को भगवा पहना दिया था। कुछ ही महीनों के अंतर पर कुंवरजी बावलिया कांग्रेस की जगह बीजेपी उम्मीदवार बने और दोबारा विधायक बन गए। एक और खास बात-जसदण की जीत के साथ ही बीजेपी ने गुजरात में विधायकों का शतक पूरा कर लिया था। ताजा उपचुनाव में कांग्रेस ने यही उपलब्धि राजस्थान की रामगढ़ सीट जीत कर हासिल की है।

इनेलो की जमानत भी जब्त

जींद विधानसभा सीट दो बार से जीतती आ रही चौटाला परिवार की इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) इस बार अपनी जमानत भी नहीं बचा पाई। विधायक हरिचंद मिड्ढा के निधन से खाली हुई सीट से बीजेपी ने उनके बेटे कृष्ण लाल मिड्ढा को टिकट दिया था और प्रयोग सफल रहा। बीजेपी के बाद चौटाला परिवार से लेकिन नवगठित दल जननायक जनता पार्टी के उम्मीदवार दिग्विजय सिंह चौटाला दूसरे स्थान पर रहे और कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला को तीसरे स्थान पर खिसकना पड़ा। यह उपचुनाव जीत कर मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर सत्ता विरोधी लहर को कुछ हद तक तो खारिज कर ही सकते हैं। इस सीट पर आईएनएलडी से बेहतर प्रदर्शन चौटाला परिवार के सदस्य का ही रहा है।

कांग्रेस और आप में गठबंधन की संभावना

जींद की हार में राहुल गांधी के लिए सबक तो है ही, कई राजनीतिक संभावनाएं भी फिर से बनती नजर आ रही हैं। हार से ये तो अंदाजा लग ही गया कि कांग्रेस एक ही मोर्चे पर अकेले चौटाला परिवार और बीजेपी दोनों से नहीं भिड़ सकती। हार का ठीकरा गुटबाजी के सिर भी नहीं फोड़ा जा सकता। मतलब साफ है कांग्रेस चुनावी समीकरणों में अकेले अनफिट है। इन नतीजे से मिल कर चुनाव लडने् की संभावना भी प्रबल हो गई है। जिन राज्यों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की चर्चा रही उनमें हरियाणा का नाम भी शामिल रहा। वैसे तो दोनों दलों ने साफ कर दिया है कि अपने अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन जींद के नतीजे से ऐसी संभावना उत्पन्न तो हो ही गई है कि कांग्रेस नेतृत्व और शीला दीक्षित को फैसले पर पुनर्विचार करना पड़े। आप नेता अरविंद केजरीवाल को भी अपने फैसले को लेकर दोबारा सोचना चाहिए।

राजस्थान और एमपी की दिखी झलक

कुछ हो न हो चुनाव प्रचार में सारे नेता गुटबाजी को दरकिनार कर जुटे देखे गए। कुछ-कुछ राजस्थान और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों की ही झलक देखने को मिली। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक तंवर, किरण चौधरी, कुमारी शैलजा सबके सब चुनाव प्रचार में एकजुट दिखे।

।। जय जिनेन्द्र ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय जिनेन्द्र ।।

2420446 (O)
2485613 (R)

9413832459 (S)
7597766246 (K)

सुभाष चपलोत

चपलोत ट्रेडिंग कम्पनी
जनरल मर्चेन्ट एण्ड कमीशन एजेन्ट

नीम का तेल एवं नीम खल भी मिलती है।

तीज का चौक, धानमण्डी, उदयपुर - 313001
21 ए, नई कृषि मण्डी, उदयपुर (राज.)

Jeevan
Acupressure Centre

Relax, Calm, Renew

Kiran Chaplot, Acupressure Therapist

घुटना, साईटीका, माईग्रेन और सभी प्रकार की
बीमारी का इलाज एक्यूप्रेशर से किया जाता है

Time : 1.00 to 4.00 pm

7597766246
9413832459

9782440774
JeevanAcupressureCentre

2 क 8, हिरण मगरी, सेक्टर-11, उदयपुर (राज.)

अलग नहीं शिव और शक्ति

– श्रीश्री आनन्द मूर्ति

एकमात्र परम सत्ता ही हमारा 'ध्येय' है, अन्य कोई नहीं। तब एक प्रश्न उठता है, क्या इन सभी काल, स्वभाव आदि का कोई मूल्य नहीं ? उत्तर है – हां, निश्चय ही इनका मूल्य है। शास्त्रों में परम साक्षी सत्ता को 'पराशिव' कहा जाता है। 'परशिव' की ओर गति ही 'परागति' कहलाती है। इस गति के लिए सभी सापेक्षिक तत्व–काल, स्वभाव, भाग्य, पदार्थ और भूत सभी आवश्यक हैं।

मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य है 'परमशिव' को प्राप्त करना। उस परम सत्ता को प्राप्त करने के लिए हमें काल, स्वभाव, भाग्य, पदार्थ और भूत सभी आवश्यक तत्वों के साथ सामंजस्य बनाना होगा। इसे बनाने में 'शक्ति' सहायता करती है। वास्तव में शिव और शक्ति के बीच कोई व्यावहारिक भेद है ही नहीं।

काल संपूर्ण रूप से एक सापेक्षिक तत्व है। किन्तु 'काल' की उपेक्षा नहीं की जा सकती, क्योंकि 'काल तत्व' की उपेक्षा से अनेक विसंगतियां पैदा हो जाती हैं। उदाहरण के लिए पांच वर्ष का एक बालक सोचता है कि वह चौबीस साल की आयु से साधना आरंभ करेगा। जब वह चौबीस साल का हो जाता है, तब वह सोचता है कि पैंतालीस की उम्र पर साधना आरंभ करेगा। पैंतालीस की आयु होने पर वह निश्चय करता है कि दस साल बाद साधना शुरू करेगा। इस तरह वह समय बर्बाद करता है और जीवन के आखिरी क्षणों में अनुभव करता है कि यह उसकी बड़ी भूल थी।

जब हम संसार में सेवा के लिए आते हैं, तब स्वभाव का अध्ययन भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब हम किसी रोगी की सेवा करते हैं, तब उसके रोग का स्वभाव जान लेने पर उसकी चिकित्सा में सुविधा हो जाती है। जब हम अपने मित्रों और संबंधियों के स्वभाव को जान जाते हैं, तब व्यक्तिगत रूप से उनके साथ व्यवहार करने का कौशल जान जाते हैं। भाग्य आंख खोलने का काम करता है। जब कोई व्यक्ति कोई कर्म करता है, तब वह भूल जाता है कि एक दिन उसे उस कर्म का प्रतिकर्म भी भोगना पड़ेगा। इसलिए, जब कोई दुख भोगता है, तब उसे समझना चाहिए कि वह पहले के दुष्कर्म की सजा भोग रहा है। यह बोध उसे वर्तमान कर्म के भविष्य में दुष्परिणाम के प्रति सचेत करेगा।

कोई भी कार्य बिना कारण नहीं हो सकता। जब किसी साधना का सुयोग मनुष्य को मिलता है, तब उसे समझना चाहिए कि पिछले अनेक जन्मों में उसके पुण्य कर्मों के कारण ही उसे साधना का अवसर मिला है। अत: वर्तमान का भविष्य के लिए सदुपयोग करना चाहिए। हमारी यह देह भौतिक जगत से ही आई है, अत: हमें भूत की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। भूत द्रव्य परमपुरुष की ही अभिव्यक्ति है, इसलिए इसके साथ हमें उचित व्यवहार करना चाहिए, अन्यथा जीवन असंभव हो जाएगा और साधना भी।

भूत पदार्थों से मनुष्यों का बड़ा लाभ होता है, किन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि ये वस्तुएं मनुष्य का लक्ष्य हो जाएं। 'परमशिव' की प्राप्ति ही अंतिम लक्ष्य है। इसके लिए सभी तत्वों के साथ सामंजस्य अनिवार्य है। यह संतुलन बनाने में 'शक्ति' सहायता करती है। हम 'प्रकृति' की अवहेलना नहीं कर सकते। निश्चय ही साधना पथ पर वह 'शाक्त' है और 'विष्णु' का अर्थ है 'अखिल व्यपनशील सत्ता', इस व्यावहारिक जगत की प्रत्येक वस्तु में जो इस व्यापनशील सत्ता का दर्शन करते हैं, वे वास्तव में 'वैष्णव' हैं।

'शक्ति' ध्येय नहीं है। शिव की भावना से शक्ति अर्जित होती है, किन्तु 'शक्ति' के चिंतन से 'शिव' प्राप्त नहीं होते। 'शक्ति: सा शिवस्य शक्ति:' यानी शक्ति शिव में आश्रित हैं। शक्ति निरंतर शिव में रूपान्तरित हो रही हैं। शिव और शक्ति की इस क्रीड़ा के विषय में वेद कहते हैं – 'स नित्यनिवृत्त' यानी वे नित्य निवृत्त हो रही हैं। वेद के अनुसार सीमाहीन काल में समस्त शक्तियां शिव में रूपान्तरित हो जाएंगी ओर तब विश्व का विलोप हो जाएगा। शिव और शक्ति में भेद है तो वह मात्र दार्शनिक है।

Wish You a Happy Holi

Allied Construction

◗ Earth Movers ◗ Civil Contractors ◗ Fabricators

ALLIED CONSTRUCTION

- Own Fleet of Buldozer's
- Hydraulic Excavators
- J.C.B.
- Dumpers
- Trailer
- Motor Grader
- Vibrator Soil Compactor
- Road Rollers and
- Breakers with Machines
  Tata - Hitachi Ex-200

46, Moti Magri Scheme, Udaipur - 313001 INDIA

Tel.: (Off & Res) 2527306, 2560897 (W) 2640196 Fax : 0294-2523507 Email : allied_construction@rediffmail.com

परम को भी प्रिय होली का उत्सव

फाल्गुन का महीना। होली। रास रंग की होली। भंग व तरंग की होली। हर युग की होली। हर देवता की होली। हर पुराण में होली। होली में कुछ तो बात है, जो वह सारे पर्वों से ऊपर है। होली में कुछ तो है.... जिसे महादेव ने भी खेला, कृष्ण ने भी खेला, विष्णु ने भी खेला, राम ने भी खेला। सूफियों ने भी खेला। आखिर यह रंग है क्या? यह आनंद है क्या?

- सूर्यकांत द्विवेदी

भक्त प्रहलाद से जुड़ना ही होली नहीं है। यदि भक्त प्रहलाद से ही यह जुड़ी होती तो महादेव क्यों खेले? माधव और राघव क्यों खेले। युगों का अंतर है। होली का दूसरा नाम आनंद है। आनंद ही परमानंद है। आनंद ही शिव है। आनंद ही जीवन है। आनंद ईश्वर को प्रिय है। आनंद को ही पर्व कहा गया। आनंद को ही रास कहा गया। आनंद को ही प्रकृति कहा गया। आनंद का संबंध हृदय से है। आनंद का संबंध सृष्टि और समष्टि है। गुलाल, रंग और अबीर लगाकर जब हम मस्त हो जाएं तो वह होली है। इसी आनंद की तलाश में हम प्रभु को खोजते हैं। इसी आनंद की चाह में हम ईश्वर को भी नाम देते हैं .... परमानंद।

हरि की गोद में प्रहलाद

होली के आनंद को हम पांच रूपों में बांट सकते हैं। पहली होली आध्यात्मिक है। धार्मिक है। भक्त प्रहलाद के रूप में। प्रहलाद के पिता हिरण्यकशिपु और मां थी कयाधू। चार पुत्रों में प्रहलाद सबसे छोटे थे। हिरण्यकशिपु ने तप करके अमरता का वरदान मांग लिया। एक दिन प्रहलाद को गोद में बिठाकर हिरण्यकशिपु ने पूछा बताओ तुमने अब-तक क्या सीखा? प्रहलाद ने कहा - 'हरि का नाम। मैं और मेरा का अंत।' कथा का सार इतना है कि हिरण्यकशिपु के लाख समझाने पर भी प्रहलाद ने पिता के आधिपत्य व पूजा को स्वीकार नहीं किया। वह हरि का नाम ही रटते रहे। पिता ने उन्हें गोद से उतार दिया और उन्हें मरवाने के कई प्रयास किए। हरि उनको बचाते रहे। हरि ने उनको अपनी गोद में बैठा लिया। यह परम और श्रेष्ठ गोद है। इन्हीं प्रहलाद को होलिका अपनी प्रज्वलित गोद में लेकर बैठती है। यह स्वार्थ व आसुरी संस्कृति की गोद थी। भगवान के प्रताप से भक्त प्रहलाद बच जाते हैं। होलिका भस्म हो जाती है। एक बालक के लिए यही गोद आनंद है। एक मां के लिए यही गोद ममत्व है। गोद का स्थान कोई नहीं ले सका। हिरण्यकशिपु के वध के लिए भगवान ने नृसिंह अवतार लिया।

होली का दूसरा आनंद है - प्रकृति का। ऋतु परिवर्तन का आनंद। इसको प्रकृति का कामोत्सव भी कहा गया। तीसरा आनंद है - रंग और तरंग का। जीवन रंगीला है। इसमें तमाम रंग भरे हैं। होली का चौथा आनंद है स्वास्थ्य। पहले टेसू के फूलों से होली खेली जाती थी। इसको स्वास्थ्यवर्धक माना जाता था। पांचवां आनंद है मित्रता का। बुरा न मानो होली है.... का शोर यूं ही नहीं गूंजता। मैं और मेरा को मारने की सीख ही तो भक्त प्रहलाद को मिली थी। हिरण्यकशिपु इसलिए मरा क्यों कि उसमें 'मैं' था। भक्त प्रहलाद इसलिए भगवान विष्णु के प्रिय हुए, क्योंकि उन्होंने कहा, 'जो है, सब हरि हैं।' बैर-भाव भुलाकर गले लगना ही होली है।

हो गए कपोल लाल

- सूर्य कुमार पांडेय

कौन मल गया गुलाल फागुन में -
हो गए कपोल लाल फागुन में

बदल गया मुखड़े का रंग
मन में उठती नई उमंग
तन में सिहरन, पग में थिरकन
दुखने लग गए अंग-अंग

लगता है मौसम ने पूछ लिया -
गौरी से हालचाल फागुन में

सांसों में घुली प्रीति गंध
टूट गए सारे प्रतिबंध
और अधिक स्पष्ट हुए मन को
संयम-यौवन के संबंध

जो अनुत्तरित थे, हल हो गए
उल्टे-सीधे सवाल, फागुन में

होली का प्रारम्भ प्रकृति से माना गया। वैदिक काल में इसको नान्नेष्टि कहा गया। इस दिन अधपके अन्न को बांटा जाता था। नवान्न यज्ञ किया जाता था। इस अन्न को होला कहा जाता था। भगवान शंकर की तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव नाना रूप धरकर आए। भगवन शंकर ने उनको भस्म कर लिया। तभी से होली अस्तित्व में आई। मनु का अवतरण भी इसी दिन का माना जाता है। नारद पुराण और भविष्य पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है।

प्रभु राम भी भीगे होली के रंग में

भगवान राम ने भी अयोध्या में सीता संग खूब फाग खेला। झांझ, मृदंग, ढपली से चारों ओर उमंग है। 'खेलत रघुपति होरी हो, संगे जनक किसोरी...।'

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती सहित तमाम दरगाहों में कुल शरीफ अमीर खुसरो के एक रंग से होती है '.... आज रंग है... ए मां रंग है री....।'

होलिका दहन पर शरीर शुद्धिकरण

होलिका दहन के पावन पर्व पर जाने-अनजाने कर्मों के प्रदूषण से मुक्ति और शरीर के शुद्धिकरण की प्रक्रिया का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में विस्तार से किया गया है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। जीवन में हर क्षण उल्लास-उमंग का संचार होता रहे, इसलिए हमारी संस्कृति में तरह-तरह के प्रावधान बनाए गए हैं। शीतकाल ठिठुरन में व्यतीत होता है। जैसे ही वसंत आता है, प्रकृति में हर जीव पर उल्लास छा जाता है। निष्क्रियता सक्रियता में परिवर्तित हो जाती है। नया संवत्सर व नवरात्रि आने से पहले का यह समय आध्यात्मिक अनुदानों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे सारी प्रकृति पुष्पों की सुरभि से खिल उठती है, ठीक वैसे ही परम सत्ता भी अनुदान लुटाने को तत्पर रहती है। होलिका दहन न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से, बल्कि शरीर व पर्यावरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हमारे ऋषि-मुनियों ने इसे नवसंवत्सर के यज्ञीय पर्व के रूप में स्थापित किया था। भारत एक कृषि प्रधान देश है। अन्न देवता पहले यज्ञीय ऊर्जा से संस्कारित हों, फिर समाज को यह अन्न समर्पित हो, इसलिए जगह-जगह पर होलिका दहन-नवस्येष्टि यज्ञ प्राचीन परम्परा के अनुसार प्रचलित हैं। वैदिक, तांत्रिक एवं प्रसचीन धर्मग्रंथों के मतानुसार होलिका दहन से एक दिन पूर्व गाय के गोबर में सिन्दूर, जौ और चिकनी मिट्टी का मिश्रण कर एक बालिश्त ऊंचा होलिका का पुतला तैयार करें। फिर उसके पूजन में 'ऊंहं हों होलिकाय मम वांछितम फलं देहि-देहि फट् स्वाहा।' मंत्र का उच्चारण करते हुए सरसों का तेल, सिन्दूर और जौ अर्पित कर करें। इसके बाद इसी मंत्र की 11 माला जप करने के बाद एक नींबू, 11 बेर तथा अन्न से बना पकवान अर्पित करें। होलिका दहन हो जाने पर होलिका पुतले तथा समस्त पूजन सामग्री को सात बार अपने तथा अपने परिवार के सभी सदस्यों के सिर पर घुमा कर जलती होलिका में 'स्वाहा' का उच्चारण करते हुए अर्पित कर दें। इस प्रक्रिया को करने से शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है तथा शरीर के समस्त विकार नष्ट हो जाते हैं। इसे वर्ष भर किसी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता।

- पं. हीरालाल नागदा

अद्भुत

जटायु की सबसे बड़ी मूर्ति!

रामायण के खास पात्र जटायु की याद दिलाती है केरल की एक मूर्ति। कहा जाता है कि रावण के वार से घायल होकर वह यहीं गिरे थे। सीता को बचाने की कोशिश में जान गंवाने वाले जटायु रामायण का एक ऐसा किरदार थे जो कौतूहल से भरा हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब जटायु ने सीता को रावण की कैद से छुड़ाने की कोशिश की, तो रावण ने अपने खास हथियार चन्द्रहास से उनका एक पर काट दिया। अचानक हुए इस हमले से लहूलुहान होकर वह एक पहाड़ी पर गिरे। काफी देर तक उनकी सांसें चलती रहीं। कुछ समय बाद राम के आने पर उन्होंने सीता का आंखों देखा हाल उन्हें बताया, जिसके बाद उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। ऐसा माना जाता है कि पंख काटे जाने के बाद जटायु केरल स्थित कोल्लम जिले के रॉकी पर्वत पर गिरे थे। जिस पर्वत पर जटायु गिरे थे, उसे अब असल में जटायु की आकृति का रूप देकर जटायु रॉक नाम दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जा रहे इस पत्थर की लंबाई 200 फीट, चौड़ाई 150 फीट और ऊंचाई 70 फीट है। जटायु की इस मूर्ति को 15000 वर्गफीट के क्षेत्र में बनाया गया है। इसी पर्वत पर खास तकनीक से लैस एक 'मल्टीडाइमेन्शनल थिएटर' भी बनाया गया है।

यूसीसीआई का 54वां स्थापना दिवस

वैश्विक अर्थव्यवस्था में महिलाओं को आगे लाएं : शोभना

प्रत्यूष ब्यूरो/उदयपुर

व्यावसायिक जगत देश की नारी शक्ति की प्रतिभा को पहचान कर व्यवसाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नवाचार करता है तो यह दुनिया के लिए एक अनुकरणीय मॉडल सिद्ध होगा। यह बात अपोलो हॉस्पिटल्स की एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन शोभना कामिनैनी ने 12 फरवरी को उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के 54वें स्थापना दिवस पर पीपी सिंघल ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। विशिष्ट अतिथि जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज के सीएमडी रघुपति सिंघानिया तथा पीआई इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष एमेरिटस सलिल सिंघल थे। प्रारम्भ में अध्यक्ष हंसराज चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ. रघुपति सिंघानिया को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देते अरविंद सिंघल

यूसीसीआई की अवार्ड सब-कमेटी की चेयरपर्सन नन्दिता सिंघल ने यूसीसीआई एक्सीलेन्स अवार्ड 2019 का संक्षिप्त विवरण दिया। समारोह का मुख्य आकर्षण 'पारिवारिक व्यवसाय में महिलाओं के लिए संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर पैनल डिस्कशन रहा जिसकी अध्यक्षता मेवाड हॉस्पिटल्स की निर्देशिका डॉ. देवाश्री छापरवाल ने की। इसमें मेवाड़ पॉलीटेक्स लिमिटेड के एमडी बीएच बापना, अद्वैय सॉल्यूशंस की सीईओ रूचिका गोधा, क्लासिक ग्रुप की पार्टनर हिना खतूरिया, फ्यूजन बिजनेस सॉल्यूशंस के फाउण्डर मधुकर दुबे, सिक्योर मीटर्स की निदेशक नन्दिता सिंघल ने भाग लिया।

कर्मचारियों के नाम किया अवार्ड

जेके टायर के सीएमडी डॉ. रघुपति सिंघानिया को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2019 से नवाजा गया। मुख्य अतिथि शोभना कामिनैनी और यूसीसीआई अध्यक्ष हंसराज चौधरी ने पुरस्कार प्रदान किया। इसे डॉ. सिंघानिया ने जेके ग्रुप में काम करने वाले लगभग 30 हजार कार्मिकों को समर्पित किया। जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्री के उल्लेखनीय कार्यों पर शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

द्वितीय स्थान पर रही ये कम्पनियां

यूसीसीआई की अवार्ड प्रविष्ठियों में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी कम्पनियों मोनोमार्क इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड, उदयपुर ऊर्जा, साधना, जेके सीमेन्ट लिमिटेड, पायरोटेक इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड, एक्यूरेट सेन्सिंग टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन्टरनेशनल सर्टिफिकेशन सर्विसेज, मुम्बई के प्रबन्ध निदेशक सुन्दर कटारिया ने यूसीसीआई को डाटा की सुरक्षा के लिए आईएसओ 27001 सर्टिफिकेशन प्रदान किया। समारोह में यूसीसीआई एक्सीलेन्स अवार्ड बुकलेट का भी विमोचन हुआ। यूसीसीआई के संरक्षक अरविन्द सिंघल ने भी विचार रखे। संचालन सिक्योर मीटर्स की शुभम शर्मा ने किया। अंत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इन्हें मिला एक्सीलेन्स अवार्ड

- जीआर अग्रवाल सर्विस अवार्ड (मीडियम एन्टरप्राइज) - कनेक्ट सॉल्यूशंस प्राईवेट लिमिटेड, उदयपुर
- डॉ. अजय मुर्डिया इन्दिरा आईवीएफ सर्विस अवार्ड(स्मॉल एन्टरप्राइजेज) - प्रोम्प्ट इन्फ्राकॉम प्राईवेट लिमिटेड, उदयपुर
- पीपी सिंघल सीएसआर अवार्ड(लार्ज एंटरप्राइजेज) - जेके टायर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, राजसमन्द।
- पायरोटेक टेम्पसन्द मैन्यूफै. रिंग अवार्ड (लार्ज एन्टरप्राइजेज)-नितिन स्पिनर्स लिमिटेड, भीलवाड़ा।
- आर्कगेट मैन्यूफै. रिंग अवार्ड(मिड एन्टरप्राइजेज) - टेम्पसन्स इंस्ट्रूमेन्ट्स(इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, उदयपुर
- सिंघल फाउण्डेशन मैन्यूफै. रिंग अवार्ड(स्मॉल एन्टरप्राइजेज) - मधुसूदन मार्बल्स प्राइवेट लिमिटेड, उदयपुर
- वंडर सीमेन्ट मैन्यूफैक्चरिंग अवार्ड (माइक्रो एन्टरप्राइजेज) - कोसवी आवरण प्रोड्यूसर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, उदयपुर

बहू-बेटियों में न हो फर्क : निवृत्ति

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ जे आर नागर(डीम्ड) विश्वविद्यालय के तत्वावधान में पिछले दिनों ऑल इंडिया वेस्ट जॉन इंटर यूनिवर्सिटी गर्ल्स बॉक्सिंग की पांच दिवसीय स्पर्धा सम्पन्न हुई। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि एचआरएच ग्रुप की निवृत्ति कुमारी मेवाड़ थीं। विशिष्ट अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय बॉक्सर कोच जी.एस. सन्धु, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा, विधि महाविद्यालय के डीन प्रो. आनन्द पालीवाल, जे. आर. नागर विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल एस. एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवर सिंह गुर्जर, रजिस्ट्रार प्रो. आर पी नारायणीवाल व समन्वयक डॉ. दीपेन्द्र सिंह थे। अतिथियों का स्वागत करते हुए एस. एस. सारंगदेवोत ने कहा कि महिलाएं आज सशक्त हो चुकी हैं, जिसका प्रमाण यह है कि इस स्पर्द्धा में 1000 से अधिक महिला बॉक्सर भाग ले रही हैं। इस स्पर्द्धा में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने तीन गोल्ड और तीन कांस्य पदक जीत कर चैम्पियनशिप प्राप्त की। इस विश्वविद्यालय की जायसीन ने बेस्ट बॉक्सर का खिताब हासिल किया। मुख्य अतिथि निवृत्ति कुमारी ने कहा कि बहू और बेटियों में समाज को फर्क नहीं कर इनके सम्मान व सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

नई रेनो क्विड रेंज लॉन्च

उदयपुर। चार पहिया वाहन निर्माता कंपनी रिनोल्ट ने नये एडवांस फीचर्स के साथ नई रेनो क्विड गाड़ी पिछले दिनों उदयपुर में स्थानीय डीलर रेना दिवाकर मोटर्स पर रेनो इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक संदीप खेड़ा ने लॉन्च की। मैन्यूअल और ऑटोमेटिक के साथ 0.8 ली. और 1.0 ली. स्मार्ट कंट्रोल एफिशिएन्सी पावर ट्रेन दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों में उपलब्ध होगी। शुरुआती कीमत 2.72 लाख है। दिवाकर मोटर्स के राजीव नामजोशी ने बताया कि इलेक्ट्रोनिक ब्रेक डिस्ट्रीब्यूशन के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, ड्राइवर एयरबैग और ड्राइवर व सह-ड्राइवर सीट बेल्ट रिमाइंडर, स्पीड अलर्ट सुविधाएं हैं।

कर चले हम फिदा...

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के 40 सुरक्षाकर्मी शहीद, पूरे देश में आतंकवाद को नेस्तनाबूद करने की मांग, राजसमंद के बिनोल में शहीद नारायण के अंतिम दर्शन को उमड़ा मेवाड़

राजस्थान के 5 लाल ने मातृभूमि को दिया अर्घ्य

- सुनील पंडित

कहते हैं भारत जैसा कोई नहीं हुआ और न हो सकता है। यहां सिर्फ देश के लिए मर मिटने वाले जवान ही वीर नहीं होते बल्कि शहादत को सम्मान के तौर पर लेने वाली वीरांगनाएं भी होती हैं। कुछ ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला देश के अलग-अलग 16 राज्यों में। 14 फरवरी के दिन वैलेंटाइन डे था और पूरी दुनिया परस्पर प्रेम का इजहार कर रही थी। तब जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर लेथपोरा के पास आतंकवादियों ने सीआरपीएफ काफिले पर आईईडी धमाका कर भारत के प्रति नफरत जगजाहिर कर दी। घटना के बाद पूरे देश में माहौल उस वक्त औरज्यादा गमगीन हो गया, जब तिरंगे में लिपटे जवानों के शव उनके घरों की तरफ चल पड़े। हृदय विदारक इस दृश्य को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गई। लेकिन गर्व इस बात का हुआ कि उसका अपना कोई देश के काम आया। हमले को अंजाम देने वाले आंतकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की इस कायराना हरकत के खिलाफ लोगों के मन में जबरदस्त आक्रोश उफना। सरकार से हमारे जवानों की शहादत का बदला लेने की मांग जोर-शोर से उठाई गई। इधर, शहीदों को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। राजसमंद (राजस्थान) जिले के बिनोल में शहीद नारायण को अंतिम विदाई देने के लिए पूरा मेवाड़ उमड़ पड़ा।

पूरे गांव में छाया मातम

भरतपुर क्षेत्र के गांव सुन्दरावली निवासी जवान जीतराम गुर्जर घर से दो दिन पहले ही पुलवामा लौटे थे। गांव में उनके शहादत की खबर पहुंचने के बाद से मातम का माहौल छाया रहा।

शहादत की खबर से सन्न रह गया गांव

जयपुर की शाहपुरा पंचायत समिति के गांव गोविंदपुरा बांसड़ी के रहने वाले रोहिताश लांबा के शहादत की खबर से पूरा गांव शोक में डूब गया। भाई जीतेंद्र लांबा की तबीयत बिगड़ गई। गांव के बेटे की शहादत पर गांव पूरी रात अंतिम विदाई को जागता रहा। 14 जून, 1991 में जन्मे रोहिताश का 2011 में सीआरपीएफ में सलेक्शन हुआ था। वे एक महीने की छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौटे थे। वे अपने पीछे पत्नी की गोद में सवा दो महीने का एक बेटा धुव छोड़ गए।

दो दिन पूर्व ही ड्यूटी पर लौटे थे

राजसमंद के बिनोल गांव के निवासी थे नारायण गुर्जर 12 फरवरी को ही ड्यूटी पर लौटे थे। शहीद के बेटे ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इधर, शहीद की पत्नी का कहना था कि आतंकियों का मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए जिससे कोई और वीरांगना विधवा न हो।

दो दिन बाद ही शहादत

कोटा जिले के सांगोद के विनोद कलां गांव के हेमराज मीणा (43) सीआरपीएफ की 61वीं बटालियन में थे। नागपुर में ट्रेनिंग से लौटते वक्त कुछ देर के लिए गांव आए थे। जम्मू-कश्मीर पहुंचे ही थे कि दोपहर बाद उनकी शहादत की खबर आ गई। जाते वक्त हेमराज ने पत्नी से 20 दिन बाद लौटने का वादा किया और कहा था कि सपरिवार घूमने जाएंगे।

4 साल पहले ही हुई थी शादी

राजाखेड़ा क्षेत्र के जैतपुर गांव निवासी भागीरथ सिंह सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन में तैनात थे। 4 साल पहले शादी हुई थी। भागीरथ पत्नी की गोद में दो बच्चे छोड़ गए हैं। एक बेटा और एक बेटी। 25 दिन की छुट्टी खत्म होने के बाद हमले से दो दिन पहले ही ड्यूटी पर लौटे थे। पिता से जल्द लौटने का वादा किया था। शहीद भागीरथ 2013 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे। बचपन में ही उनकी मां का देहांत हो गया था। उनकी शहादत की खबर के बाद से पिता सदमे में चले गए।

100 घंटे में लिया पहला बदला

इंडियन सिक्योरिटी फोर्सेज ने पुलवामा हमले के 100 घंटे बाद सीआरपीएफ जवानों की शहादत का पहला बदला लिया। करीब 18 घंटे तक चले एनकाउंटर में आतंकी हमले का मास्टरमाइंड अब्दुल गाजी राशिद उर्फ कामरान मारा गया। उसके अलावा अन्य आतंकी भी मारे गए। इस कार्रवाई में एक मेजर सहित 4 जवान भी शहीद हो गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने उस बिल्डिंग को ही उड़ा दिया जहां आतंकी दुबके थे। कामरान जैश का टॉप कमांडर था और सरगना मौलाना मसूद अजहर के इशारे पर वारदात को अंजाम देता था।

सर्जिकल स्ट्राइक के बाद वॉटर स्ट्राइक

पुलवामा हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान की तरफ जाने वाले अपने हिस्से के पानी को रोकने का ऐलान किया। इस वॉटर स्ट्राइक के बाद आतंक की खेती करने वाले पाकिस्तान में सूखा पडने की नौबत तय है। कैबिनेट मिनिस्टर नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार ने पाकिस्तान को दिए जा रहे व्यास, रावी और सतलुज नदी के अपने हिस्से के पानी को रोकने का फैसला लिया है। इन नदियों पर बने प्रोजेक्ट की मदद से पाकिस्तान को दिए जा रहे पानी को अब पंजाब और जम्मू कश्मीर की नदियों में प्रवाहित किया जाएगा। गवर्नमेंट का एक्शन जारी है।

प्रेशर में पाक, जमात-उद-दावा पर लगाया बैन

पुलवामा हमले के बाद भारत की कार्रवाई के डर से पाकिस्तान ने आतंकी संगठन जमात-उद-दावा पर एक बार फिर बैन लगा दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेशनल सिक्योरिटी कमेटी संग मीटिंग के बाद फैसला किया। संगठन फलाह-ए-इंसानियत पर भी बैन लगाया। इन दोनों आतंकवादी संगठनों का संबंध मुंबई हमले के आरोपी हाफिज सईद से है।

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबू जो आपके जीवन में लाये खुशहाली

250 Products Available

चेतक घोड़ा CHETAK HORSE ®

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana®
Agarbatti

EXPORT QUALITY Since 1947 AGARBATTI

Registered Office :

ARCHANA AGARBATTI
NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

औकात नहीं और दिखाता है आंख

– मनीष उपाध्याय

केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के 40 जांबाज जवानों को खोकर पूरा देश गमज़दा है। किसी ने भाई को खोया, किसी ने बेटे को तो किसी ने पति को और देश ने अपने वीर जवानों को। हर भारतीय आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तान से बदला लेने को उतावला है। पाकिस्तान ने भी सीमा पर अपनी सैन्य गतिविधि बढ़ा दी है। लेकिन सच्चाई यही है कि भारतीय सैन्य बल के आगे पाकिस्तान पूरी तरह फिसड्डी है। दुनिया के 100 से अधिक देशों की सैन्य क्षमता का आकलन करने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ग्लोबल फायर पावर की एक रिपोर्ट में तो पाक भारत के सामने चींटी सा है। 2018 फायरपावर इंडेक्स के मुताबिक सैन्य साजो-सामान और गोला बारूद से लेकर लड़ाकू विमानों तक पाकिस्तान भारत के आसपास भी नहीं टिक पाता। इसके बावजूद हमेशा भारत को आंख दिखाता रहा है और कायर मात भी खाता रहा है। फिर भी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा।

पाकिस्तान से बदला लेने को उतावला

धूल चटा सकती है वायुसेना

भारतीय वायुसेना पाकिस्तान को धूल चटाने में पूर्णत: सक्षम है। भारत के पास पाकिस्तान से कहीं अधिक विमान हैं। भारत के कुल विमानों की संख्या 2185 है। लड़ाकू विमान 590, जंगी विमान 804 के अलावा 708 परिवहन और 251 प्रशिक्षण विमान भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। भारतीय वायुसेना के पास 720 हेलीकॉप्टर है, जिनमें 15 लड़ाकू हेलीकॉप्टर हैं। जबकि पाकिस्तान की बात करे तो उसके पास सिर्फ 1,281 विमान ही हैं। इनमें 320 लड़ाकू, 410 जंगी, 296 परिवहन और 486 प्रशिक्षण विमान शामिल हैं। पाकिस्तान के पास 328 हेलीकॉप्टर हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के पास पाकिस्तान से कहीं अधिक युद्धक टैंक और तोपें हैं। यह संख्या लगभग दोगुनी से अधिक है। भारतीय सेना के पास 4,426 युद्ध टैंक, 3,147 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 190 स्वचालित तोपे, कहीं ले जा सकने वाली 4,158 तोपें (टोव्ड आर्टिलरी) भी है। इसके अलावा भारत के पास रॉकेट फायर करने वाले 266 रॉकेट प्रोजेक्टर हैं। जबकि पाकिस्तान के पास

भारत चौथा सशक्त देश, पाकिस्तान बहुत नीचे

ग्लोबल फायर पावर के 2018 इंडेक्स के मुताबिक सैन्य क्षमता के मामले में भारत चौथा सशक्त देश है। पहले स्थान पर अमेरिका, दूसरे पर रूस और तीसरे स्थान पर चीन है। वहीं अगर पाकिस्तान की बात करें तो वह इस सूची में 17वें स्थान पर है। मतलब साफ है कि पाकिस्तान भारत से काफी पीछे है। 2018 के इस सूचकांक के मुताबिक भारत के पास पाकिस्तान के मुकाबले अधिक सैन्य बल है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के पास कुल 42.07 लाख (42,07,250) सैन्य बल मौजूद है। इसमें सक्रिय सैनिकों की संख्या 13.62 लाख (13,62,500) है। वहीं भारत के पास रिजर्व सैन्य बल 28 लाख (28,44,750) है। अब पाकिस्तान की बात करें तो पाकिस्तान के पास कुल सैन्य बल महज 9 लाख (9,19,000) है। इसमें उसके सक्रिय सैनिकों की संख्या 6 लाख (6,37,000) है। वहीं पाकिस्तान के पास रिजर्व सैन्य बल 2.82 लाख (2,82,000) है।

भारत से लगभग आधे यानी 2,182 युद्धक टैंक है। उसके पास 2,604 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 307 स्वचालित तोपें, 1,240 कहीं भी ले जाई सकने वाली तोपें और 144 रॉकेट प्रोजेक्टर ही हैं।

हमारी नौसेना भी है शक्तिशाली

भारतीय नौसेना भी पाकिस्तान को करारा जवाब देने में पूर्णरूप से सक्षम है। भारतीय नौसेना के पास कुल 295 जहाज, पोत, पनडुब्बी हैं। इनमें 1 विमानवाहक युद्धपोत शामिल है। इसका नाम आईएनएस विक्रमादित्य है। इस युद्धपोत से समुद्र में ही 36 लड़ाकू विमान उड़ान भर सकते हैं और उतर सकते हैं। हमारी नौसेना के पास 14 छोटे और तेज युद्धपोत (फ्रिगेट) हैं। 11 विध्वंसक, 22 छोटे जंगी (कॉर्वेट), 139 गश्ती समुद्री जहाज और बारूदी सुरंग से निपटने वाले 4 युद्धपोत के अलावा 16 पनडुब्बियां हैं। आईएनएस अरिहंत नामक परमाणु पनडुब्बी से समुद्र के नीचे से परमाणु मिसाइलें दागी जा सकती हैं। ग्लोबल फायर पावर के मुताबिक पाकिस्तान के पास कुल 197 युद्धपोत, पनडुब्बियां, गश्ती जहाज हैं। आंकड़ों के मुताबिक इनमें 10 छोटे और तेज युद्धपोत (फ्रिगेट) और 5 पनडुब्बी और बारूदी सुरंगों का पता लगाने वाले 3 युद्धपोत हैं। पाकिस्तान के पास एक भी विध्वंसक युद्धपोत और विमानवाहक युद्धपोत नहीं हैं।

सलाह

सर्दी में इन्हें जरूर आजमाएं

आंवला, नीबू, अदरक, कच्ची हल्दी, तुलसी और मेथी के बारे में तो हर कोई जानता है। पर यदि इनका सही ढंग से इस्तेमाल कर लिया जाए तो शरीर की इम्यूनिटी में आश्चर्यजनक इजाफा होगा। ये सब चीजें सर्दियों में बहुतायत से उपलब्ध हैं।

आंवला

सर्दी के इस मौसम में बाजार में हर कहीं आंवला दिख जाता है। इसे विटामिन-सी का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। चिकित्सा विज्ञानियों के अनुसार शरीर के इम्यून तंत्र को दुरुस्त रखने में विटामिन-सी की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आंवले का कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है और किसी भी समय।

नींबू

नींबू शरीर के विजातीय और विषाक्त तत्वों को बाहर निकालकर रोगप्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में काफी मदद करता है। यह भी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है। नींबू का रस पानी में मिलाकर पीना चाहिए, स्वाद बढ़ाने के लिए नमक, कालाजीरा, शक्कर अथवा शहद भी मिला सकते हैं।

अदरक

अदरक का एक चम्मच रस शहद मिलाकर सवेरे या शाम खाली पेट सेवन करना चाहिए। इससे रोगप्रतिरोधक शक्ति तो बढ़ती ही है, सर्दी-जुकाम हो तो उसका भी असर धीमा पड़ने लगता है। अदरक विभिन्न प्रकार के कैंसर, आंतों के रोग, जोड़ों के दर्द आदि में भी लाभप्रद है।

कच्ची हल्दी

हल्दी सदियों से हमारी रसोई का अंग रही है और सर्दी-जुकाम होने या चोट लगने पर दादी-नानी इसका एक चम्मच चूर्ण गर्म दूध में मिलाकर पिलाती रही हैं। विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि हल्दी में एंटीबैक्टीरियल गुण बेहद प्रभावी रूप में मौजूद है। इसे कैंसररोधी भी पाया गया है। इसकी सब्जी बड़ी स्वादिष्ट होती है।

तुलसी

तुलसी में कई तरह के एंटी ऑक्सिडेंट पाए जाते हैं। अलग-अलग तरीके से सेवन करने पर यह कई रोगों में फायदा करती है। सर्दी-जुकाम से लेकर दमा, कैंसर जैसे रोगों में भी यह लाभप्रद है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए अच्छा और आसान तरीका है। जाड़े भर इसका प्रयोग करें।

इन्हें भी अजमाएं

- डायबिटीज से बचने के लिए रोजाना सुबह एक चम्मच मेथी दाना पाउडर पानी के साथ खाएं। एक चम्मच मेथी दाने को एक कप पानी में रात भर भिगो सुबह उस पानी को पी लेने से भी आराम मिलता है।
- हाई ब्लड प्रेशर होने पर 5-5 ग्राम मेथी और सोया के दाने पीस कर सुबह-शाम पानी के साथ खाना फायदेमंद है। अदरक वाली मेथी की सब्जी खाने से लो ब्लड प्रेशर में फायदा होता है।
- सर्दियों में गुड़ से बने मेथी के लड्डू खाने से शरीर में ऊर्जा की वृद्धि होती है। इसे नियमित रूप से खाने से खांसी-जुकाम से बचा जा सकता है।
- मेथी दानों को मट्ठे के साथ मिला कर पीने से अल्सर और एसिडिटी में लाभ होता है।
- पेट में कीड़े होने पर सुबह खाली पेट कुछ मेथी दाने पानी के साथ खाने से आराम मिलता है।
- कमर दर्द में एक ग्राम मेथी दाना पाउडर और सौंठ पाउडर को थोड़े गर्म पानी के साथ दिन में दो-तीन बार लेना फायदेमंद है।
- रोज सुबह-शाम एक से तीन ग्राम मेथी दाना पानी में भिगो कर और फिर चबा कर खाने से जोड़ों में दर्द नहीं होता, जोड़ मजबूत होते हैं।

- पीयूष शर्मा

बदला'व शुरू

पूरे देश में आक्रोश, शहीदों के परिवारों की मदद को हर तरफ बढ़े हाथ

– फिरोज अहमद शेख

कश्मीर के पुलवामा हमले के बाद देशभर में आक्रोश है। देशवासी सेना के शहीद जवानों के परिवारों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं तो आए दिन सड़कों पर तिरंगा लेकर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाती रैलियां निकल रही हैं। कोई पाकिस्तान से बदला लेने की मांग कर रहा है तो कोई आतंकवादियों को जमीदोज करने को कह रहा है।

मनोरंजन इंडस्ट्री : फंस गए 'गुरु'

पुलवामा हादसे के बाद पूर्व क्रिकेटर और पंजाब में मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने पाक के बचाव में विवादित बयान देकर देश की जनता के जख्मों पर नमक छिडक़ने की कोशिश की है। इस बयान के बाद सिद्धू को कपिल शर्मा के कॉमेडी शो से हटा दिया गया है। पंजाब सरकार से भी उनको मंत्री पद से हटाने की मांग की जा रही है। सिने कर्मियों के एक संगठन ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन लगाने का ऐलान किया। आगामी फिल्म 'टोटल धमाल' को भी पाकिस्तान में रिलीज नहीं किए जाने का फैसला लिया। अभिनेता सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म 'नोटबुक' से पाकिस्तान के सिंगर आतिफ असलम को निकाल दिया। इसके अलावा देश की टॉप म्यूजिक कंपनी टी-सीरिज ने आतिफ असलम के गाने को यूट्यूब से हटा दिया।

कारोबार : पाक का 50 करोड़ डॉलर का व्यापार प्रभावित

पुलवामा हमले के बाद सबसे पहले भारत ने पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा छिना। मोस्ट फेवर्ड नेशन का मतलब सबसे अधिक तरजीही देश होता है, वर्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन और इंटरनेशनल ट्रेड नियमों के आधार पर ट्रेड के लिए मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दिया जाता है। एमएफएन दर्जा प्राप्त देश को इस बात का आश्वासन दिया जाता है कि उसे ट्रेड में नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। भारत ने पाकिस्तान को 1996 में मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दिया था। इसमें बड़ा हिस्सा भारत से पाकिस्तान में होने वाले एक्सपोर्ट का है। एमएफएन दर्जा हटाए जाने के फैसले से पाकिस्तान के करीब 50 करोड़ डॉलर के कारोबार पर असर पड़ेगा। पाकिस्तान से होने वाले आयात पर भी भारत ने शुल्क बढ़ाकर 200 प्रतिशत कर दिया है। उसके 10 प्रमुख उत्पादों के आयात को करारा झटका लगेगा। पाकिस्तान प्रमुख तौर पर भारत को ताजे फल, सीमेंट, बड़े पैमाने पर खनिज एवं अयस्क, तैयार चमड़ा, प्रसंस्कृत खाद्य, अकार्बनिक रसायन, कच्चा कपास, मसाले, ऊन, रबड़ उत्पाद, अल्कोहल पेय, चिकित्सा उपकरण, समुद्री सामान, प्लास्टिक, डाई और खेल का सामान निर्यात करता है।

खेल : पाक के खिलाफ स्पिन बॉल

खेल जगत में भी जबर्दस्त आक्रोश है। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया ने विरोध जताते हुए अपने रेस्टोरेंट में लगी पाक पीएम इमरान खान की तस्वीर को हटा दिया है। यूएई में शुरू हुई पाकिस्तान सुपर लीग के ब्राडकास्टर डी स्पोर्ट्स ने भारत में इसके टेलीकास्ट को रोक दिया है। विराट कोहली ने अपने फाउंडेशन का अवॉर्ड समारोह स्थगित कर दिया है। वीरेंद्र सहवाग ने शहीदों के बच्चों की पढ़ाई का खर्चा उठाने की पेशकश की है। विजेंदर सिंह ने एक महीने की सैलेरी देने की घोषणा की। विदर्भ की सीनियर टीम ने भी अपनी ईरानी कप ट्रॉफी जीत की पूरी ईनामी राशि शहीदों के परिजनों के नाम कर दी।

सुरक्षा : पांच अलगाववादियों से छिनी जेड प्लस

सरकार ने जम्मू-कश्मीर में 5 अलगाववादी नेताओं की जेड प्लस सुरक्षा छिनी। इसमें मीरवाइज उमर फारूक, प्रो. अब्दुल गनी भट, बिलाल गनी लोन, हाशिम कुरैशी और शब्बीर शाह शामिल है। सरकार अलगाववादी नेताओं की सुरक्षा पर सालाना करीब 15 करोड़ रुपए खर्च करती रही है। 20 से लेकर 25 सुरक्षाकर्मी दिनरात इनकी सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहते रहे हैं। इनसे सुरक्षा के साथ महंगी गाड़ियां भी वापस ले ली गई हैं।

सलाह

ताउम्र जवां दिखने को जीभ साफ रखें

– अशोक तम्बोली

ताउम्र जवां दिखने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। कोई झुर्रियों से निजात दिलाने का दावा करने वाली एंटी एजिंग क्रीम पर पैसे बहाता है तो कोई बोटॉक्स जैसे महंगे और जोखिमभरे ट्रीटमेंट आजमाने से नहीं चूकता। हालांकि अमेरिका में हुए एक नए अध्ययन की मानें तो जीभ की सफाई पर ध्यान देना बुढ़ापे को दूर रखने का सबसे कारगर उपाय है। नियमित रूप से जिभ्भी(टंग क्लीनर) करने वाले लोगों को लंबे समय तक त्वचा लटकने और झुर्रियां पड़ने की शिकायत नहीं सताती।

'गुड बैक्टीरिया' दूर रखेंगी झुर्रियां : टेक्सास(अमेरिका) स्थित बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने पाया कि जीभ साफ रखने से 'गुड बैक्टीरिया' को मुंह में पनपने में आसानी होती है। विभिन्न अध्ययनों में मुंह में मौजूद 'गुड बैक्टीरिया' को नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार पाया गया है। यह तत्व उन कोशिकाओं की मरम्मत के लिए अहम माना जाता है, जो पुरानी हो चुकी हैं या फिर जिन्हें गहरा नुकसान पहुंचा है। इससे त्वचा की खोई चमक लौटने के साथ झुर्रियों और कील-मुंहासे के निशान गायब होने लगते हैं।

दो बार जिभ्भी ज़रूर करें : मुख्य शोधकर्ता नाथन ब्रायन ने सुबह और रात के समय में ब्रश करने के दौरान कम से कम 5 सेकेंड तक जीभी के पिछले हिस्से से आगे की तरफ जिभ्भी चलाने की नसीहत दी है। इससे जीभ पर जमी खाने की परत और गंदगी साफ हो जाती है, जो 'गुड बैक्टीरिया' के फलने-फूलने के लिए बेहद अहम है। उन्होंने दावा किया कि शरीर में पैदा होने वाले कुल नाइट्रिक ऑक्साइड में जीभी का योगदान 50 फीसदी के करीब है।

फायदेमंद

- जीभ साफ रखने से मुंह में आसानी से पनपते हैं 'गुड बैक्टीरिया'
- नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार
- पुरानी, नष्ट हो चुकी कोशिकाओं की मरम्मत कर बुढ़ापा दूर भगाता है यह तत्व

दावा

- 5 सेकेंड तक जिभ्भी चलाने से जीभ पर जमा खाना और गंदगी साफ हो जाती है।
- 50 प्रतिशत हिस्सा शरीर में बनने वाले कुल नाइट्रिक ऑक्साइड का जीभ पर पैदा होता है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

देश का गणतंत्र देश का मान...

दशकों से खिल रही उसकी अद्भुत शान

हमें गर्व है अपने देश के संविधान पर।
जो 70 सालों से देश में अखण्डता,
एकता, सद्भावना, न्याय एवं समानता का
पथ-प्रदर्शक बना हुआ है।
सभी प्रदेशवासियों को
70वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई।

70वां गणतंत्र दिवस

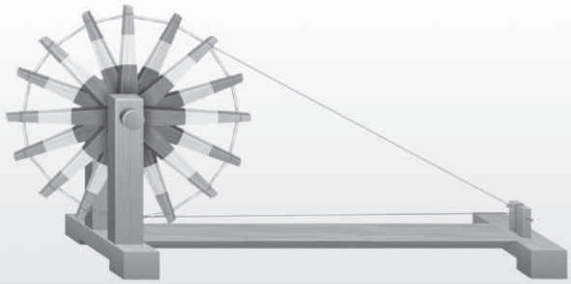

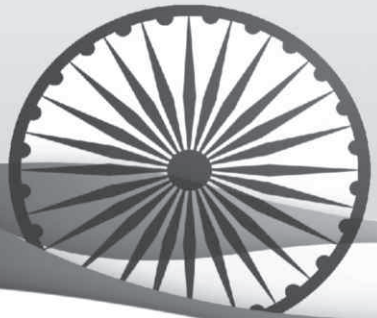

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

2019 के रण में शायद न उतरें ये महारथी

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा पिछले वर्ष नवम्बर में लोकसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा के बाद पार्टी के लगभग आधा दर्जन बड़े नेता भी लोकसभा चुनाव के रण से अपने कदम पीछे हटा सकते हैं।

– उमेश शर्मा

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा स्वास्थ्य कारणों के चलते लोकसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा के बाद कुछ अन्य दिग्गजों के लिए भी चुनाव के मैदान में ताल ठोकने की संभावनाएं भी लगभग समाप्त हो गई हैं। वैसे भी ये नेता उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां से राजनीति के मौजूदा तेवर उनका 'एडजस्ट' हो पाना बड़ा कठिन है।

प्रमुख राजनैतिक दल युवाओं को मौका देने की पैरवी कर रहे हैं। राहुल गांधी का कांग्रेस अध्यक्ष बनना, सपा में मुलायम सिंह यादव को बड़ी चतुराई से किनारे कर कमान पुत्र अखिलेश द्वारा अपने हाथ में लेना और भाजपा द्वारा शीर्षस्थ नेताओं को अपेक्षा कर नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, अरूण जेटली जैसे नेताओं को केन्द्रीय राजनीति का चेहरा बनाना साफ-साफ इशारा करता है कि 60-65 से ऊपर आयु के नेता नेतृत्व की नई खेप तैयार करने के लिए मार्गदर्शक की वास्तविक भूमिका स्वीकार कर लें। हालांकि भाजपा के कुछ नेता स्वास्थ्य संबंधी कारणों से संसद में लोकसभा की बजाय राज्यसभा के दरवाजे से लाए जा सकते हैं तो कुछ वे नेता चुनावों से दूरी बना सकते हैं जो नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही हाशिये पर हैं अथवा मार्गदर्शक के रूप में केवल बैठकों में मंच की शोभा बनते रहे हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, भुवन चन्द्र खंडूड़ी, शांता कुमार, करिया मुण्डा, हुकुमदेव यादव जैसे जाने-पहचाने नाम है। केन्द्रीय मंत्री उमा भारती भी नरेन्द्र मोदी की कसौटी पर फिट नहीं हो पा रही हैं।

सुषमा स्वराज ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर चुनाव से दूर रहने की घोषणा कर उक्त दिग्गजों को भी ऐसा ही कुछ कहने-करने के लिए बाध्य सा कर दिया है। हाँ इनमें से कुछ को राज्यसभा के द्वार से संसद में प्रवेश का मौका दिया जा सकता है, बशर्ते चुनावी रण में इनकी भूमिका उपयोगी रही हो। वित्तमंत्री अरूण जेटली पहले से ही राज्यसभा में हैं और सदन के नेता भी हैं। कुछ वरिष्ठ नेताओं की भूमिका इस बार बदल भी सकती है। आज जबकि नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के आसन पर न देखने के लिए सम्पूर्ण विपक्ष एकजुट हो रहा है, ऐसे में मोदी-शाह के लिए भी यह बाध्यता हो सकती है कि वे रूठे हुए पार्टी के खांटी नेताओं को मनाएं और उन्हे चुनाव के रण में उतारें।

संघ ने कर दी थी शुरुआत

- 2009 लोकसभा चुनाव के बाद से ही भाजपा में नई पीढ़ी को लाने की शुरुआत कर दी थी।
- नेता प्रतिपक्ष के पद पर लालकृष्ण आडवाणी को हटा कर सुषमा स्वराज को लाया गया था।
- भाजपा का अध्यक्ष नितिन गडकरी को और 2013 में प्रधानमंत्री प्रत्याशी नरेन्द्र मोदी को बनाया
- केन्द्र में सरकार बनने के बाद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को बनाया गया

ये चेहरे चुनावी सियासत से हो सकते हैं अदृश्य

लालकृष्ण आडवाणी(उम्र 91 साल) : सात दशक का लम्बा करियर। जनसंघ से भाजपा के शीर्ष तक पहुंचे। वाजपेयी सरकार में देश के उपप्रधानमंत्री रहे। मौजूदा समय में गुजरात के गांधीनगर से सांसद हैं।

डॉ. मुरली मनोहर जोशी (उम्र 84 साल) : 1953 में गो सुरक्षा आन्दोलन के साथ सियासी सफर की शुरुआत की। इलाहाबाद, वाराणसी और अब कानपुर से सांसद। भाजपा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

भुवनचंद्र खंडूड़ी (उम्र 84 साल) : 36 साल सेना में सेवाएं देने के बाद 1990 के दशक में भाजपा में आए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के साथ-साथ पांच बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं। मौजूदा समय में गढ़वाल से सांसद हैं।

करिया मुंडा (उम्र 82 साल) : झारखंड के आदिवासी नेता हैं व 1977 में पहली बार लोकसभा सांसद और केन्द्रीय मंत्री बने। कुल सात बार निम्न सदन के सदस्य रहे। 15वीं लोकसभा के उपाध्यक्ष की भूमिका भी निभा चुके।

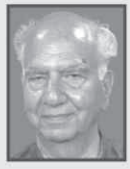

शांता कुमार (उम्र 84 साल) : 1963 में पंचायत स्तर से राजनीति शुरू की और 1972 में पहली बार हिमाचल विधानसभा के सदस्य बने। 1977 में राज्य के मुख्यमंत्री रहे। तीन बार लोकसभा सांसद और केन्द्र में मंत्री रहे।

हुकुम देव यादव (उम्र 78 साल) : 1960 में बिहार के मधुबनी जिले में ग्राम पंचायत से राजनीति शुरू की। पांच बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं। मौजूदा समय में मधुबनी सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे। केन्द्र में मंत्री भी रहे।

उमा भारती (उम्र 60 साल) : साध्वी उमा भारती भी राजनीति में अपने आपको अनफिट महसूस कर रही हैं। वे नरेन्द्र मोदी की कसौटी पर भी खरी नहीं उतर पाई। इसलिए उनसे गंगा सफाई का महत्वपूर्ण विभाग छीन कर स्वच्छता और पेयजल जैसा विभाग थमा दिया। गंगा स्वच्छता मंत्रालय, मोदी के विश्वस्त सड़क परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी को सौंपा गया।

Wish you a HappyHoli

Manglam Arts

Sukhadia Circle, Udaipur - 313004 INDIA Tel. : +91-294-2425157/58/59/60

E-mail: shyam@manglam.com, udaipur@manglam.com, Website: www.manglamarts.com

जेब पर भारी ट्राई के नए पैकेज

बेस्ट फिट प्लान के लिए डीटीएच ऑपरेटर मौजूदा बिल से ज्यादा वसूलेंगे तो होगी कार्रवाई

टेलिकॉम रेगुलेटरी ऑथेरिटी ऑफ इण्डिया ने फरवरी 2019 से केबल और डीटीएच उपभोक्ताओं के लिए जो नए पैकेज जारी किए हैं, उनसे आम आदमी का बजट गड़बड़ाएगा। टीवी चैनल आम आदमी के लिए एक सहज और सुलभ मनोरंजन है। चैनल मालिकों को लाभ पहुंचाने के लिए जो नए पैकेज तय किए गए हैं, निश्चित रूप से उसके कारण सामान्य वर्ग मजबूरन मनोरंजन से दूर होगा और इसका लाभ उठाने की कोशिशें करेंगी मोबाइल कम्पनियां। केन्द्र को इस दिशा में तत्काल ध्यान देकर टीवी कार्यक्रमों को अधिक सस्ता और स्तरीय बनाना चाहिए। हालांकि बेस्ट फिट प्लान के लिए उपभोक्ताओं से उनके पुराने पैक की फीस से ज्यादा पैसे नहीं लिए जा सकते। इस सम्बन्ध में शिकायत मिलने पर ट्राई कड़ी कार्रवाई करेगा।

-सुधीर जोशी

ट्राई का डीटीएच और केबल टीवी से जुड़ा नया टैरिफ प्लान ग्राहकों के लिए मुसीबत बन गया है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के सर्वे में सामने आया कि इससे ग्राहकों का बिल 25 फीसदी या उससे ज्यादा बढ़ गया है।

ट्राई ने दावा किया था कि एक फरवरी से लागू नए पैकेज के बाद ग्राहक सिर्फ उन्हीं चैनलों का पैसा देंगे, जिन्हें उन्होंने चुना है, लेकिन लोकप्रिय चैनलों की कीमत बढ़ने से ग्राहकों का बिल बढ़ गया। जीएसटी समेत कैपिसिटी फीस ही 153 हो रही है और ऐसे में चुनिन्दा चैनल लेने पर बिल ही आसानी से 300 रुपये के पार हो जाता है।

चैनलों का चुनना मजबूरी : जिन लोगों ने महज दस लोकप्रिय चैनलों को ही नए प्लान में चुना, उनका बिल हर माह 230-240 रुपये से बढ़कर 300 रुपये या उससे ज्यादा हो गया है। अगर वे इसमें से पांच चैनल छोड़ते हैं तो ही उनका बिल कम या पहले जितना हो रहा है।

मालिकों का मुनाफा बढ़ा

नई व्यवस्था से चैनलों का मुनाफा बढ़ गया है। उनका मुनाफा 60-70 रुपये प्रति महीने से बढ़कर 94 रुपये प्रति महीने तक पहुंच गया है। चूंकि लोकप्रिय चैनल दर्शकों की मजबूरी है, ऐसे में उनका दाम उच्चतम स्तर 19 रुपये(जीएसटी समेत 22 रुपये) पर रखा गया है।

छोटे चैनलों के बंद होने का खतरा

लोकप्रिय चैनलों का तो मुनाफा बढ़ गया है, लेकिन कम लोकप्रिय चैनलों का टिके रहना मुश्किल होगा। इससे उन पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। डीटीएच व केबल ऑपरेटर्स की सेहत पर खास असर नहीं पड़ा है।

मोबाइल की ओर खिंचेंगे टीवी के ग्राहक

ट्राई के नए टैरिफ के बाद ग्राहक फेसबुक, नेटफ्लिक्स, अमेजनप्राइम या हॉटस्टार या मोबाइल कंटेंट देने वाली अन्य ओवर द टॉप कम्पनियों की ओर जा सकते हैं। चूंकि मोबाइल डाटा सस्ता है, ऐसे में उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

ट्राई की सफाई

ट्राई के अनुसार 100 एसडी चैनलों के लिए 130 रुपये एनसीएफ और अन्य 25 एसडी चैनलों के स्लैब के लिए 20 रुपए निर्धारित किए गए हैं। लेकिन नियमों पर असमंजस के चलते कुछ सेवा प्रदाताओं ने दूसरे या अतिरिक्त टीवी कनेक्शन पर एनसीएफ में छूट या पूरी तरह से माफ करने की पेशकश शुरू कर दी है। ट्राई ने कहा कि नए नियम ग्राहकों को उनके मनमुताबिक चैनलों को चुनने की स्वतंत्रता देते हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्राई ने सभी डीटीएच प्रदाताओं को उपभोक्ताओं को सहायता प्रदान करने के लिए कॉल सेंटर और हेल्पलाइन स्थापित करने का भी निर्देश दिया है। उसने अगले तीन महीनों में डीटीएच के खर्च में कमी आने की भी उम्मीद जताई है। ट्राई के नए नियम 1 फरवरी से लागू होने के बावजूद चैनल पैकेजों को लेकर ग्राहकों में काफी असमंजस बना हुआ है। जानकारी के अभाव में बड़ी संख्या में ग्राहक अब तक यह बात ही नहीं समझ पाए हैं कि अपना नया पैकेज तैयार कैसे किया जाए। यह काम रिमोट के जरिए टीवी पर ही जाएगा या कंपनी की वेबसाइट पर या फिर ऐप डाउनलोड करना होगा।

- 230 से 240 रुपये महीने देने वालों को 300 रुपये देने पड़ रहे हैं।
- 22 रुपये से ज्यादा लोकप्रिय चैनलों की कीमत(जीएसटी समेत)
- 153 रुपये की कैपिसिटी फीस डीटीएच ग्राहकों को देनी पड़ रही
- 40 फीसदी बढ़ गई चैनलों की कमाई नई व्यवस्था आने के बाद

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इण्डिया(ट्राई) के नए नियमों के मुताबिक टीवी उपभोक्ताओं को उन्हीं चैनलों के पैसे देने हैं जो उन्होंने सब्सक्राइबर किया है। अगर उपभोक्ता ने अब तक ऐसा नहीं किया है तो मुमकिन है कि उसके केबल या डीटीएच ऑपरेटर ने पुराने पैक के आधार पर उसे बेस्ट फिट प्लान पर शिफ्ट कर दिया हो। अब ट्राई का कहना है कि ऐसे बेस्ट फिट प्लान के लिए उपभोक्ताओं से उनके पुराने पैक की फीस से ज्यादा पैसे नहीं लिए जा सकते हैं। ट्राई ने ऑपरेटरों को चेतावनी दी है कि अगर उपभोक्ताओं की शिकायत आती है कि उनसे बेस्ट फिट प्लान के लिए ज्यादा पैसे लिए जा रहे हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

ट्राई के सचिव एसके गुप्ता के अनुसार इस बारे में सभी डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म ऑनर्स(डीपीओ) को सूचित कर दिया गया है। ट्राई स्थिति की निगरानी कर रहा है। डीपीओ को निर्देश दिया गया है कि ऐसे उपभोक्ता जिन्होंने अब तक पसंद के चैनल नहीं चुने हैं, उन्हें पुराने पैक के आधार पर बेस्ट फिट प्लान दिया जाए और इसके लिए अतिरिक्त पैसे न लिए जाएं। ट्राई ने पसंद के चैनल चुनने की अंतिम तारीख भी बढ़ाकर 31 मार्च, 2019 कर दी है। ट्राई ने ये भी कहा कि बेस्ट फिट प्लान उपभोक्ता के उपयोग के पैटर्न और उनकी भाषा के आधार पर बनाए जाएं।

अनुसंधान

छह महीने में छह किलो वजन घटाएगी ये गोली

वजन घटाने की कोशिशों में जुटे लोगों के लिए एक खुशखबरी है। मोटापे पर काबू पाने के लिए अब आपको न तो जिम में घंटों पसीना बहाना होगा, न ही पसंदीदा मिठाई या फास्टफूड से दूरी बनाने की जरूरत पड़ेगी। खाने से पहले महज एक गोली गटकने पर छह महीने में छह किलोग्राम से ज्यादा वजन घट जाएगा। लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के सहयोग से एक अमेरिकी कंपनी ने 'जेलेसिस-100' नाम की ऐसी गोली तैयार की है, जो पेट में पहुंचने के चंद सेकेंड के भीतर जेल का रूप अख्तियार कर लेती है। इससे व्यक्ति को पेट भरा-भरा महसूस होने लगता है और वह कम मात्रा में भोजन कर पाता है।

ऐसे काम करती है गोली

मुख्य शोधकर्ता फ्रैंक ग्रीनवे के मुताबिक 'जेलेसिस-100' पेड़-पौधों में पाए जाने वाले सेल्युलोस और फाइबर के अलावा खट्टे फलों में मौजूद साइट्रिक एसिड के कणों से लैस है। ये कण पानी के संपर्क में आने के बाद फूलने लगते हैं। 20 से 25 मिनट के भीतर इन्हें मोटे जेल में तब्दील होते देखा जा सकता है।

साइडइफेक्ट की चिंता नहीं

ग्रीनवे के अनुसार 'जेलेसिस-100' पूरी तरह से साइडइफेक्ट रहित होगी। यह आसानी से शरीर के बाहर निकल जाएगी। दरअसल, पाचन क्रिया के दौरान जब 'जेलेसिस-100' आंत में पहुंचेगी तो इसमें मौजूद पानी के बाहर निकलने से सारे कण अलग-अलग हो जाएंगे। धीरे-धीरे ये मल-मूत्र के रास्त आसानी से शरीर से बाहर निकलते चले जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि 'जेलेसिस-100' ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रखने में भी मददगार साबित होगी।

आजमाइश पर खरी उतरी

'जेलेसिस-100' को 436 लोगों पर आजमाया गया। प्रतिभागियों को छह माह तक रोज लंच और डिनर से आधे घंटे पहले 'जेलेसिस-100' खिलाई गई। इसे बाद छह माह तक 'जेलेसिस-100' बताकर मीठी गोली की खुराक दी गई। शुरुआती छह माह में 59 फीसदी प्रतिभागी औसतन 6 किलो तो 27 फीसदी 10 किलो वजन घटाने में कामयाब रहे। हालांकि मीठी गोली का उनके वजन पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

होली : मीठे-चटपटे व्यंजन

मार्च यानी मौसम के मिज़ाज में बदलाव का महीना। साथ ही रंग और उल्लास से सराबोर होली की दस्तक। अबीर-गुलाल के तैरते बादलों के इस मौसम में यदि मीठे के साथ चटपटा खान-पान न हो तो होली का हंगामा और आनंद भी अधूरा है। इस बार अपने घर में ये पारम्परिक पकवान जरूर बनाएं - आग्रह के साथ इन्हें तैयार करने की विधि बता रही हैं - निष्ठा शर्मा

केसर पनीर की खीर

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : दूध - 1 लीटर, कद्दूकस किया पनीर - 1 कप, केसर - आधा कप, चीनी।

विधि : पैन में दूध डालकर उबालें। जब दूध में एक उबाल आ जाए तो आंच धीमी कर दें और गाढ़ा होने तक दूध को उबालें। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग आधे घंटे का समय लगेगा। अब दूध में केसर, चीनी, इलायची और पनीर डालें। धीमी आंच पर खीर को लगभग पांच से सात मिनट तक पकाएं। गैस बंद करें और खीर को सर्विंग बाउल में डालें। बादाम, पिस्ता और चांदी के वर्क से गार्निश करें और फ्रिज में ठंडा करने के बाद पेश करें।

मठरी

सामग्री : मैदा - 250 ग्राम, अजवायन-आधा छोटा चम्मच, मोयन के लिए तेल-एक छोटा चम्मच, नमक - एक चौथाई छोटा चम्मच, तलने के लिए पर्याप्त मात्रा में तेल।

विधि : मैदा में मोयन, अजवायन और नमक डालकर कड़ा गूंध लें। अब चकले पर मोटी सी पूड़ी बनाकर मनचाहे आकार में मठरी काट लें। गरम तेल में मंदी आंच पर सुनहरा होने तक तलें। बटर पेपर पर निकालकर एअरटाइट जार में भरें।

मसाला मठरी : बेसन में नमक, मोयन, जीरा और मेथी डालकर गूंथें और मैदे की लोई के ऊपर बेसन की लोई रखकर बेलें। रोल करके काटकर हथेली से दबाएं और गरम तले में सुनहरा होने तक तलें। मसाला मठरी तैयार है।

दही-भल्ले

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : धुली उड़द दाल - तीन चौथाई कप, दही-5 कप, नमक-स्वादानुसार, किशमिश-20, बारीक कटा अदरक - 1 चम्मच, कटी हुई मिर्च-2, बेसन-2 चम्मच, तेल-आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक - 1 चम्मच, चीनी-1 चम्मच, हरी चटनी-आवश्यकतानुसार, खजूर-इमली की चटनी-आवश्यकतानुसार, भुने हुए जीरे का पाउडर-2 चम्मच, बारीक कटी धनिया पत्ती-2 चम्मच

विधि : दाल को धोकर रातभर के लिए पानी में भिगो दें। सुबह पानी निथार पेस्ट बना लें। इसमें नमक, किशमिश, अदरक, हरी मर्च और बेसन डालें और दस मिनट तक फेटें। कड़ाही में पर्याप्त मात्रा में तेल गर्म करें। अब एक चम्मच घोल को गर्म तेल में डालें और सुनहरा होने तक तलें। एक बड़े बर्तन में पानी लें और तैयार भल्ले को उसमें दो मिनट डुबोएं। अब हथेलियों के बीच में दबाकर उसका अतिरिक्त पानी निचोड़ दें। सारे मिश्रण से इसी तरह भल्ले तैयार कर लें। एक बाउल में दही लें, उसमें सेंधा नमक व चीनी डालकर मिलाएं। सर्व करने के लिए प्लेट में पहले भल्ला रखें और उसमें ऊपर दही डालें। ऊपर से पुदीना चटनी, इमली-खजूर चटनी व जीरा पाउडर डालें। धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

खस्ता कचौरी

सामग्री : मैदा – 2 कप, खाने वाला सोड़ा, नमक–स्वादानुसार, तेल

भरावन के लिए : धुली उड़द दाल, अदरक, हरी मिर्च, काजू, किशमिश, घी, हींग, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ पाउडर, चीनी, नमक–स्वादानुसार, नींबू का रस–1 चम्मच, तेल–आवश्यकतानुसार।

विधि : उड़द दाल एक घंटे पानी में भिगोएं। एक बड़े बर्तन में मैदा, नमक व खाने वाला सोड़ा डालें। पांच चम्मच तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। धीरे–धीरे पानी डालते हुए मैदे को कड़ा गूंद लें। गूंदे हुए मैदे को गीले सूती कपड़े से ढककर छोड़ दें। दाल को पानी से निकालकर दरदरा पीस लें। अदरक छीलकर बारीक काट लें। हरी मिर्च व काजू भी बारीक काटें। किशमिश को धोकर साफ कपड़े से पोंछ लें। कड़ाही में घी गर्म कर उसमें दाल का पेस्ट, अदरक, हरी मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ पाउडर, काजू और किशमिश डालें। दाल में पानी सूखने तक पकाएं। अंत में नमक, चीनी ओर नीबू का रस मिलाकर गैस ऑफ कर दें। दाल वाले मिश्रण को ठंडा होने दें और 16 हिस्सों में बांट दें। ऐसे ही गूंदे हुए मैदे से भी 16 लोई बना लें और छोटी–छोटी पूरियां बेल लें। बीच में दाल वाला मिश्रण डालें और पूरी को चारों ओर से बंद करके कचौरी का आकार दें। सभी पूरियों से इसी तरह कचौरी बना लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और धीमी आंच पर कचौरियों को सुनहरा होने तक दोनों ओर से तल लें। इमली की चटनी के साथ सर्व करें।

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

पिछले कई महीनों से लम्बित जमीन-जायदाद के मामले पुराने दोस्तों के सहयोग से सुलझेंगे। संतान पक्ष से परेशानी हो सकती है, आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। स्थानान्तरण के योग बनेंगे, आय पक्ष सामान्य है। नौकरीपेशा को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ

खर्चों में कमी और आय के नये स्रोत खुलेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी, जोखिम भरे कार्यों से भी लाभ प्राप्त होगा, मनमुताबिक कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में तरक्की सम्भव किन्तु पैतृक मामले पेचीदा हो सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम, दाम्पत्य जीवन में मधुरता।

मिथुन

यह माह आपके लिए सामान्य है, अनावश्यक व्यय पर नियन्त्रण रखें। व्यवसायी वर्ग को असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। जमीन सम्बन्धी विवाद में राहत मिलेगी। 6 मार्च पश्चात् विचारों में उधेड़बुन रहेगी। कमर दर्द से परेशानी सम्भव, दाम्पत्य जीवन में तनातनी और नौकरी पेशा का स्थान परिवर्तन सम्भव।

कर्क

विचारों के अनुरूप महत्वाकांक्षाओं को मूर्त रूप देने में समर्थ होंगे। राजनैतिक लोगों से मेल-मिलाप एवं सम्पर्कों में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में सफलता, माह का उत्तरार्द्ध आर्थिक पक्ष की दृष्टि से अनुकूल, फेफड़े या सीने के दर्द से तकलीफ हो सकती है। भाग्य साथ देगा। दाम्पत्य सामान्य।

सिंह

इस माह अन्तर्द्वंद्व की स्थिति में रहेंगे। खर्चों में अधिकता, कर्ज से बचें। अनावश्यक कार्यों में समय व्यतीत हो सकता है, पुरूषार्थ में कमी का अनुभव करेंगे। आपके अपने ही आपसे रहस्य छुपायेंगे, किसी पर भी पूर्ण भरोसा नुकसान दे सकता है, सिर दर्द एवं आंखों में परेशानी सम्भव।

कन्या

राशि स्वामी का अव्यवस्थित होना आपको भी अव्यवस्थित करेगा। कोई भी ढंग का निर्णय नहीं ले पायेंगे, झूठी शानो-शौकत में समय व्यर्थ कर अपना अहित ही करेंगे। जीवन साथी की सेहत परेशानी का सबब बन सकती है, इस माह कोई नया कार्य ठीक नहीं होगा, व्यापारी वर्ग के लिए समय सामान्य है। नौकरीपेशा धैर्य से काम लें, सन्तान पक्ष से कष्ट।

तुला

विद्यार्थियों को नयी दिशा मिलेगी, मित्रों के सहयोग से कुछ नया कर सकते हैं। साझेदारी भी लाभप्रद हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ व्यथित करेगी, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, सिर दर्द के कारण परेशान हो सकते हैं, स्थान परिवर्तन के सुयोग बनेंगे, सन्तान पक्ष से हर्ष, दाम्पत्य जीवन में तनातनी संभव।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
1 मार्च	फाल्गुन कृष्ण दशमी	स्वामी दयानन्द जयंती
4 मार्च	फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी	महाशिवरात्रि
8 मार्च	फाल्गुन शुक्ल द्वितीया	फुलेरा दूज/विश्व महिला दिवस
14 मार्च	फाल्गुन शुक्ल अष्टमी	होलाष्टक प्रारंभ
17 मार्च	फाल्गुन शुक्ल एकादशी	आमल एकादशी
20 मार्च	फाल्गुन शुक्ल चतुर्दशी	पूर्णिमा व्रत/होलिका दहन
25 मार्च	चैत्र कृष्ण पंचमी	रंग पंचमी
28 मार्च	चैत्र कृष्ण अष्टमी	शीतलाष्टमी
30 मार्च	चैत्र कृष्ण दशमी	दशामाता पूजन

वृश्चिक

नौकरीपेशा के लिए पदोन्नति के योग हैं, जीवनसाथी की तरफ से अविश्वास और किसी रिश्तेदार की समस्या आपको परेशान करेगी, धनागम के नये स्रोत बनेंगे, श्वास सम्बन्धित तकलीफ हो सकती है, कार्यक्षेत्र में उन्नति रहेगी, कुछ नया कर पायेंगे, वैवाहिक जीवन में मधुरता रहेगी।

धनु

संतान पक्ष की ओर से चिन्ताएं समाप्त होंगी, धार्मिक कार्यों में मन लगेगा एवं नये कार्य क्षेत्र होंगे। तय कार्यक्रम अचानक निरस्त हो सकते हैं, माह का उत्तरार्द्ध अच्छे परिणाम देगा, परन्तु साझेदारी में खटास पैदा हो सकती है, विद्यार्थी वर्ग को संघर्ष अधिक करना पड़ेगा, आय पक्ष सुदृढ़ रहेगा।

मकर

नये विचार एवं नयी सोच के साथ नये कार्यों का सृजन होगा। धन का दुरूपयोग आगे के लिए कष्टकारी साबित होगा। वाणी एवं वित्तीय लेन-देन पर नियन्त्रण रखें। नौकरीपेशा के लिए समय अच्छा है। व्यापार में सोच-समझ कर फैसला करें, स्वास्थ्य उत्तम, वैवाहिक जीवन में तनातनी रहेगी।

कुम्भ

नौकरी एवं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, आपका मृदु व्यवहार दूसरों का ध्यान आपकी तरफ खींचेगा, आपकी अन्तर्ऊर्जा कार्य क्षेत्र में आपको बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी, रिश्तेदारों एवं दोस्तों के साथ मौजमस्ती में समय व्यतीत होवे, आर्थिक दृष्टि से लोगों से रिश्ते मजबूत होंगे, स्थान परिवर्तन सम्भव।

मीन

पैतृक मामले राहत देंगे, खर्च पर नियन्त्रण रखें, सावधानी अतिआवश्यक है। कर्म क्षेत्र की दृष्टि से माह अनुकूल नहीं है, नया कुछ भी नहीं करें, रक्त विकार समस्या हो सकती है, आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा, आय पक्ष से निराशा हो सकती है।

Wish You a Happy Holi

MAHAVEER GROUP OF INSTITUTION

RUN BY - Mahaveer Jain Vidhyalaya Sansthan

Dr. Himmat Lal Vaya
+91 94141 68838
Founder Director

College Compus Keer ki Choki

Udaipur office

ADMISSION OPEN 2019-20

Glorious Activity:

- Mahaveer Public Secondary School.
- Mahaveer B.Ed. College. (2 Yr. Course)
- Mahaveer B.A.-B.Ed./B.Sc.- B.Ed. College. (4 Yr. Integrated Course)
- Mahaveer College. (B.A./B.Com./B.Sc./B.C.A./B.Sc.(IT)/B.B.M.)
- Mahaveer Tribal Girls Education Complex. (Govt. Project)
- Mahaveer I.T. Computer Education. (RS-CIT)
- Pioneer in Rural Development Education. Education Medical Health Service, Women Awareness & Vocation Programme

DEGREE COLLEGE

B.A./B.Com./
B.Sc./B.C.A./
B.Sc.(IT)/B.B.M.
& RS-CIT

COLLEGE CAMPUS

Head Office: 940, Hiran Magri, Sec-4 Udaipur (Raj.) 313001 Ph. 0294-2465838
KEER KI CHOWKI, BADGAON-BHINDER ROAD, UDAIPUR (Raj.) 313603
Website: www.mjvsansthan.org Email: mahaveerjvsansthan@yahoo.com

श्री सीमेन्ट को 'गोल्डन पिकॉक अवार्ड'

जयपुर। श्री सीमेन्ट लिमिटेड को सामाजिक विकास हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्र स्तरीय 'गोल्डन पिकॉक अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। श्री सीमेन्ट को यह अवार्ड महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री(हाउसिंग) प्रकाश मेहता, परम विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त लेफ्टिनेन्ट जनरल जे. एस. अहलूवालिया(रिटायर्ड) तथा आदित्य बिड़ला ग्रुप की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला ने प्रदान किया। देश भर की कुल प्रतिभागी 338 कंपनियों में से सीमेन्ट उद्योग क्षेत्र में श्री सीमेन्ट को विजेता घोषित किया गया। मुंबई के होटल ताज लैंड्स एंड में आयोजित समारोह में श्री सीमेन्ट के विशाल जायसवाल ने यह अवार्ड प्राप्त किया। श्री सीमेन्ट लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक, पीएन छंगाणी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सीमेन्ट लिमिटेड के समाज सेवा विभाग द्वारा समाज के चहुंमुखी विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि विकास के लिये विभिन्न योजनाएं संचालित हैं, जिनकी उपलब्धि से कम्पनी को राष्ट्र स्तरीय सम्मान मिला। श्री सीमेन्ट लिमिटेड के(वाणिज्यिक) अध्यक्ष संजय मेहता ने बताया कि श्री सीमेन्ट अपने सामाजिक दायित्वों के अन्तर्गत आस-पास के क्षेत्र के विकास हेतु सदैव तत्पर है, जिससे आमजन की जीवन शैली में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी हो रही है।

'हरसिंगार' के सम्पादक देवपुरा सम्मानित

केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा से सम्मान ग्रहण करते श्याम प्रकाश देवपुरा

नाथद्वारा(प्रब्यू)। दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड, दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा पिछले दिनों आयोजित साहित्यकार/पत्रिका संपादक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. महेश शर्मा(संस्कृति मंत्री, भारत सरकार) द्वारा साहित्य मंडल, नाथद्वारा द्वारा प्रकाशित हरसिंगार पत्रिका के संपादन के लिए श्याम प्रकाश देवपुरा को 75000 की राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में यह पत्रिका अपने शोधपरक आलेखों के लिए साहित्य जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

रवीन्द्र शहर, भंवर सिंह देहात अध्यक्ष

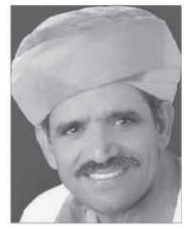

उदयपुर। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने उदयपुर शहर व देहात में संगठन चलाने वाले मुखिया बदल दिए हैं। पूर्व की तरह ही शहर अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण चेहरे के रूप में रवीन्द्र श्रीमाली तो देहात अध्यक्ष पर राजपूत चेहरे के रूप में भंवर सिंह पंवार को जिम्मेदारी सौंपी है। दोनों ही विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता गुलाबचंद कटारिया की पसंद हैं। रवीन्द्र श्रीमाली की अच्छी छवि ने ही उनको कई बड़े पदों तक पहुंचाया। श्रीमाली उदयपुर संसदीय क्षेत्र के संयोजक भी थे, जिनसे लेकर अब यह जिम्मेदारी महापौर सी एस कोठारी को दी गई है। इससे पहले वे नगर परिषद् के सभापति और यूआईटी चेयरमैन भी रहे। दोनों ही जगह सफल और बेदाग रहे।

देहात अध्यक्ष बने भंवर सिंह पंवार झाड़ोल तहसील के गोराणा गांव से हैं। वे अभी जिला परिषद में जिला शिक्षा स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। निर्वतमान शहर अध्यक्ष दिनेश भट्ट 9 साल से अध्यक्ष थे। 2009 में उनको इस पद पर लाया गया था।

भाणावत हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

उदयपुर। करेंसी मैन के नाम से प्रख्यात विनय भाणावत का नाम हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स वेस्ट ब्लूम फील्ड, मिशिगन(अमेरिका) में दर्ज किया गया है। हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निदेशक प्रदीप कुमार ने बताया कि भाणावत ने भारतीय करेंसी नोटों में 786 की संख्या वाले सर्वाधिक 92790 नोटों का संग्रह कर वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। इस उपलब्धि हेतु भारत में स्थित हैदराबाद(तेलंगाना) के कार्यालय से स्वर्ण पदक, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रेषित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह रिकॉर्ड विनय भाणावत ने दुबई, बांग्लादेश और पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़कर भारत के नाम दर्ज करवाया है।

जे. के. सीमेन्ट को एक्सीलेन्सी अवार्ड

निम्बाहेड़ा। एम्पलॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की ओर से जयपुर के होटल ग्राण्ड उनियारा पैलेस में एक विशिष्ट समारोह में राज्य के उद्योग मन्त्री परसादी लाल मीणा के मुख्य आतिथ्य में जे. के. सीमेन्ट वर्क्स निम्बाहेड़ा को व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए एम्पलायर्स एसोसिएशन राजस्थान की ज्यूरी मेम्बर्स द्वारा एक्सिलेन्ट परफोरमेन्स इन ओएचएस 2017 हेतु अवार्ड प्रदान किया गया। यह अवार्ड मीणा से संस्थान के सहायक उपाध्यक्ष(एच आर),एम. एस. शेखावत ने ग्रहण किया।

डॉ. सिंह खोलेंगे आर्बिट्रेशन व मिडिएशन सेंटर

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक के सीईओ डॉ. अरविन्दर सिंह उदयपुर में आर्बिट्रेशन व मिडिएशन सेंटर की स्थापना करेंगे। डॉ. सिंह ने कोचीन स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिडिएशन व आर्बिट्रेशन से कॉमर्शियल मिडियेटर की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने कॉमर्शियल मिडियेटर बनने के लिए आवश्यक अनुभव, एग्जाम व इंटरव्यू क्वालीफाई किया है। इसमें बिजनेस संबंधित विवादों को हल करने की ट्रेनिंग दी गई। इस ट्रेनिंग के बाद 5 करोड़ से 20 करोड़ तक के विवादों का निपटारा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 के तहत इस ट्रेनिंग से वैकल्पिक माध्यम से विवादों का समाधान कोर्ट के बाहर कानूनन किया जा सकता है।

धीरज बने प्रियंका के निजी सचिव

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भी रहे चुके ओएसडी

जयपुर(प्रब्यू)। पिछले दिनों वीआरएस लेने वाले राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी धीरज कुमार श्रीवास्तव अब कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी के निजी सचिव बन गए हैं। वर्ष 1994 बैच के आरएएस श्रीवास्तव इससे पहले सोनिया गांधी के ओएसडी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पहले कार्यकाल में ओएसडी रह चुके हैं। वे पीएमओ में भी प्रतिनियुक्ति पर सेवाएं दे चुके हैं। वे अब तक राजीव गांधी फाउंडेशन के साथ काम कर रहे थे और उससे पहले यूपीए सरकार के दौरान राष्ट्रीय सलाहकार समिति(एनएसी) में ऑफिसर ऑन स्पेशनल ड्यूटी के रूप में कार्यरत रहे हैं। धीरज देश में सकारात्मक बदलाव लाने की मानसिकता वाली राजनीति के सदा पक्षधर रहे हैं।

बापना को एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर। उद्योगपति एवं इंजीनियर बी एच बापना को जैन इंजीनियरिंग सोसायटी की ओर से स्पेक्ट्रम रिसोर्ट में आयोजित समारोह में एक्सीलेंस ऑफ इंजीनियरिंग अवार्ड से नवाजा गया। ये जानकारी संस्था के उदयपुर चेप्टर अध्यक्ष बी एल खमेसरा ने दी।

अरबन बैंक को ब्ल्यू रिबन अवार्ड

चित्तौड़गढ़। अरबन कॉ-ऑपरेटिव बैंक लि. को मुम्बई में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 100 से 150 करोड़ जमाओं की श्रेणी वाले नागरिक सहकारी बैंकों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त होने पर ब्लू रिबन अवार्ड चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक की प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी को प्रदान किया गया। प्रबन्धक जे. पी. जोशी के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर 410 प्रतिभागियों में से विभिन्न उत्कृष्ट कार्यों के लिए चयनित बैंकों को अवॉर्ड प्रदान करने के क्रम में चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंकों को यह सम्मान प्रदान किया गया।

मेहता आईपीएमए के अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। नई दिल्ली में इंडियन पेपर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन(आईपीएमए) द्वारा आयोजित 19वें वार्षिक सम्मेलन में ए. एस. मेहता अध्यक्ष चुने गए। बड़ी सादड़ी निवासी मेहता वर्तमान में जे. के. पेपर लि. के प्रेसीडेंट हैं। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि हमें इस भ्रम को तोड़ना होगा कि कागज निर्माण के लिए देश में हजारों पेड़ नष्ट किये जा रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि इसके लिए किसानों द्वारा करीब 9 लाख हैक्टेयर का वनीकरण किया गया है। इसमें विशेष किस्म के नये पेड़ उगाये जाकर लगभग 90 फीसदी कच्चा माल प्राप्त किया जा रहा है। इससे करीब पांच लाख किसानों को रोजगार मिला है। इन नव पेड़ों से बने कागज की मांग विदेशों में भी है। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं नागर विमानन मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा कि घरेलू स्तर पर कागज विनिर्माण को बढ़ावा देना सरकार की व्यापार नीति की प्राथमिकताओं में है।

रेलवे कर्मचारी जीबीएच में करा सकेंगे उपचार

उदयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के कार्मिकों एवं उनके परिजनों का अब जीबीएच अमरीकन हॉस्पिटल में उपचार हो सकेगा। रेलवे के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. पी के मिश्रा ने रेलवे की ओर से अनुबंध जीबीएच अमरीकन ग्रुप के निदेशक डॉ. आनंद झा को सौंपा। ग्रुप निदेशक झा ने बताया कि रेलवे प्रशासन ने चिकित्सालय की सुविधाओं का अवलोकन कर बैठक की। बाद में चिकित्सालय में उपलब्ध सुपर एवं मल्टी स्पेशियलिटी सुविधाओं से जोड़ने का अनुबंध किया। कार्डियोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, गायनिक, लेप्रोस्कॉपिक, जनरल सर्जरी सहित अन्य विभागों की सुविधाएं इसमें शामिल होंगी।

दमोह में डॉ. जुगनू का सम्मान

उदयपुर। वास्तुविद् और इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू का मध्यप्रदेश के दमोह में सम्मान हुआ। तहसील ग्राउण्ड स्थित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में जुगनू को शॉल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. जुगनू ने संस्कृत एवं प्राचीन ग्रंथों का हिन्दी अनुवाद कर उन्हें सबके लिए उपयोगी बनाया। उनका सम्मान करने वालों में कुंडलपुर कमेटी के अध्यक्ष संतोर सिंघई, जैन पंचायत के अध्यक्ष सुधीर सिंघई, गजरथ महोत्सव समिति के अध्यक्ष अभय बनगांव सहित कुंडलपुर कमेटी, जैन पंचायत, पंच कल्याणक कमेटी के पदाधिकारी शामिल थे।

सचिन मोटर्स को उत्कृष्टता व बेस्ट डीलर सम्मान

उदयपुर। बिक्री और सेवा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सचिन मोटर्स उदयपुर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया। पियाजिओ के बिजनेस नेशनल हेड सजु ई. एस. नायर, मलिंद कपूर, पी. राव, विकसित त्रिवेदी, मनोज शाह एवं अन्य ने सचिन मोटर्स निदेशक सुभाष सिंघवी को यह पुरस्कार प्रदान किया। हाल ही में सचिन मोटर्स को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम व्यवसाय के लिए एक और पुरस्कार हाडा(फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल्स डीलर्स एसोसिएशन) की ओर से दिया गया है। गोवा में पियाजिओ की ओर से ही आयोजित एक अन्य समारोह में सचिन मोटर्स को गोल्ड कैटगरी में ऑल इंडिया बेस्ट डीलर अवार्ड भी प्रदान किया गया।

महिला समृद्धि बैंक पुरस्कृत

उदयपुर। दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑप. बैंक को मुंबई में गत दिनों हुई समिट एवं अवार्ड सेरेमनी में ब्लू रिबन अवार्ड दिया गया। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने बताया कि कुशलता, व्यवसाय, वृद्धि तकनीकी, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के आधार पर चयन कर 500 करोड़ तक की जमाओं वाली महिला बैंकों में महिला समृद्धि बैंक को ब्लू रिबन अवार्ड में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। अवार्ड से सम्मानित होकर उदयपुर लौटने पर महाप्रबंधक उषा भट्ट और ऋण प्रबंधक सुदर्शन भट्ट का अभिनंदन किया गया।

स्पोर्ट्स मीट का समापन

नोबल इंटरनेशनल स्कूल, रानी रोड में स्पोर्ट्स मीट के समापन पर प्रबंधक निदेशक के एम जिंदल विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

मुर्डिया दम्पत्ति सम्मानित

उदयपुर। महावीर इंटरनेशनल ने इंदिरा आईवीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया और उनकी पत्नी इंदिरा मुर्डिया का सम्मान किया। यह सम्मान रसिकलाल माणिकचंद धारीवाल स्कूल में जोनल अधिवेशन के दौरान किया गया। संभागीय अध्यक्ष चंद्रेश बापना ने बताया कि इस मौके पर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले केन्द्रों का भी सम्मान किया गया। संस्था के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बापना, एस के जैन, राज लोढ़ा, आरएस बापना आदि मौजूद थे।

दिल्ली में डॉ. राजेन्द्र मुनि जन्मोत्सव

दिल्ली। प्रभु पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक व डॉ. राजेन्द्र मुनि के 65वें जन्मदिन पर पिछले दिनों नवकार तीर्थ में जाप व गुणानुवाद सभा का नवकार तीर्थ में आयोजन सम्पन्न हुआ। श्री सुरेन्द्र मुनि म. सा. ने नवकार भक्ति व पार्श्व प्रभु का जाप करवाया। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी उद्यमी रिखबचंद जैन ने की। मुख्य अतिथि किरण भाई अहमदाबाद थे। स्वागताध्यक्ष सुरेन्द्र छाजेड़ ने बताया कि इस अवसर पर समाजोपयोगी विभिन्न सेवा प्रकल्पों का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। वक्ताओं ने आचार्य देवेन्द्र मुनि के प्रेरणास्पद प्रसंगों को अभिव्यक्ति देने के साथ ही डॉ. राजेन्द्र मुनि के मृदु व्यवहार, सादगीपूर्ण जीवन व साधनाशील व्यक्तित्व पर विभिन्न आयामों से प्रकाश डाला।

बयां हुई ज़िन्दगी से जंग की कहानियां
– गीतांजलि में कैंसर सर्वाइवर मीट – 2019

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल एवं गीतांजली कैंसर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व कैंसरग्रस्त रोगियों के लिए कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम एवं सर्वाइवर मीट 2019 चरण-2 का आयोजन पिछले दिनों गीतांजली सभागार में हुआ। ऑन्को सर्जन डॉ. आशीष जाखेटिया ने प्रजेंटेशन में बताया कि भारत में हर रोज 3000 नए कैंसर रोगियों का निदान किया जा रहा है।

यह आयोजन कैंसर से लड़ने व ठीक होने वाले रोगियों का आयोजन था। मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त भवानी सिंह देथा, गीतांजली ग्रुप के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल, गीतांजली यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आर. के. नाहर, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नरेन्द्र मोगरा, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सीईओ प्रतीम तम्बोली थे। कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल ने बताया कि जल्द ही गीतांजली कैंसर सेंटर में पेट स्कैन एवं हाई एण्ड एमआरआई मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सीईओ प्रतीक तम्बोली ने कहा कि यह कार्यक्रम हर साल आयोजित होगा।

संचालन अंशुमन ने व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रमेश पुरोहित ने किया।

कैंसर से डरें नहीं, इलाज कराएं

जीवन प्रजापत ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि उनके 60 वर्षीय पिता को कैंसर है तो वे काफी हताश हो गए। परंतु गीतांजली कैंसर सेंटर में इलाज से दो वर्ष बाद वे बिल्कुल स्वस्थ हैं।

समय पर इलाज से हुआ स्वस्थ

पाली निवासी बद्री सिंह ने बताया कि उनकी नातिन योगेश कुंवर के गले में गांठ थी। जांच में कैंसर होना पाया गया। उन्होंने गीतांजली कैंसर सेंटर में इलाज करवाया और अब वह स्वस्थ है।

दी उदयपुर अरबन बैंक को अवार्ड

उदयपुर। दी उदयपुर अरबन कॉ-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को सहकारी बैंक का प्रतिष्ठित बैंक अवार्ड मिला। मुम्बई में हुए समारोह में कोटक महिन्द्रा बैंक के टीवी सुधाकर ने बैंक अध्यक्ष फिदा हुसैन सफी, उपाध्यक्ष तौसीफ हुसैन ,सीईओ कुतुबुद्दीन शेख, वरिष्ठ प्रबंधक कुरैश अली टिनवाला को ट्रॉफी प्रदान की। यह ट्रॉफी अरबन बैंक की डिपोजिट पांच सौ करोड़ से 625 करोड़ तक बढ़ने के लिए दी गई।

सनबीम अवार्ड नाइट

उदयपुर। सनबीम स्कूल आयड़ की सनबीम अवार्ड नाइट विवेकानंद सभागार में हुई। आर्मी डे पर स्कूल के पूर्व छात्र मेजर निहाल निहलानी, कैप्टन शिवराज सिंह राठौड़ व लेफ्टिनेंट वसीम अहमद को सम्मानित किया गया। छात्रों ने नेवी ड्रिल, वेलकम डांस, विश्व बंधुत्व की भावना पर लघुनाटिका, सेमी क्लासिकल डांस, फ्यूजन डांस, ऐलिस, इन वंडरलैंड आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विजेताओं, बेस्ट हाउस और बेस्ट स्टूडेंट को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य पूर्णिमा गांगुली, त्रिलोक सिंह मौजूद थे।

उदयपुर में मैक्स लैब की डायग्नोस्टिक सेवाएं शुरू

उदयपुर। देश में हेल्थकेयर सेवाओं में अग्रणी मैक्स हेल्थकेयर की पैथोलॉजी सेवा मैक्स लैब का पिछले दिनों मधुबन स्थित मेडिप्लाजा में इस्टीट्यूट ऑफ लेबोरेट्री मेडिसिन एण्ड ब्लड बैंक सर्विस की निदेशक डॉ. पूनम दास, मैक्स लैब के वाइस प्रेसीडेन्ट एण्ड बिजनेस हेड हिमांशु त्यागी ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

इसके साथ ही उदयपुर अब उन चुनिन्दा शहरों में शामिल हो गया है जहां मैक्स लैब की डायग्नोस्टिक सेवायें मिल रही हैं। इस अवसर पर डॉ. पूनम दास ने कहा, आज भी देश में विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 61 प्रतिशत मौतें बीमारी का सही अनुसंधान नहीं होने के कारण हो रही हैं, जिनमें हृदय रोग, कैंसर एवं मधुमेह शामिल हैं।

इस अवसर पर डॉ. हिमांशु त्यागी, मैक्स लैब के महाप्रबन्धक हरीश तरवानी,

जनरल मैनेजर विक्रम वर्मा, मैनेजर मनीष सेन ने विचार व्यक्त किए।

तुलसी निकेतन का वार्षिकोत्सव

उदयपुर। हिरणमगरी, सेक्टर-4 स्थित तुलसी निकेतन रेजीडेंशियल स्कूल का वार्षिकोत्सव पिछले दिनों सन्देशपरक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि समिति अध्यक्ष गणेश डागलिया, जवेरचंद डागलिया एवं डान साहनी थे। समिति के चेयरमैन डॉ. यशवंत कोठारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर के. एस. मोगरा, दिनेश कोठारी, डी पी धाकड़, पुष्पा कोठारी, अभय सिंघवी, उर्वशी सिंघवी आदि भी मौजूद थे।

सीए राजेश चपलोत 'जीतो' द्वारा सम्मानित

उदयपुर। गत दिनों राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित भारतीय मूल के यूगांडा निवासी सीए राजेश चपलोत को शौर्यगढ़ रिसोर्ट में 'जीतो' संगठन की ओर से सम्मानित किया गया। जोन अध्यक्ष शांतिलाल मारू ने बताया कि सीए राजेश चपलोत उदयपुर के निवासी होने पर 'जीतो' को गर्व है। प्रारम्भ में 'जीतो उदयपुर' चेप्टर के अध्यक्ष शांतिलाल मेहता ने स्वागत उद्बोधन दिया। चेप्टर के मुख्य महासचिव सीए महावीर चपलोत ने उदयपुर चेप्टर के कार्यों की जानकारी दी।

पीआईएमएस उमरड़ा

150 सीटों पर इसी सत्र में प्रवेश

उदयपुर। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज(पीआईएमएस) उमरड़ा में 150 सीटों के पांचवें बैच के लिए अकादमिक सत्र 2019-20 में प्रवेश की अनुमति प्रदान की है। इस आशय का पत्र पीआईएमएस के प्रिंसिपल को एमसीआई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की ओर से जारी 6 फरवरी को जारी किया गया। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सेक्रेटरी जनरल डॉ. संजय श्रीवास्तव ने पत्र में बताया कि पिछले वर्ष 9 और 10 अगस्त को असेसमेंट रिपोर्ट तथा बोर्ड की ओर से अपॉइंट की गई कमेटी की अनुशंसाओं के आधार पर यह निर्णय लिया गया।

'बर्निंग इश्यूड कन्वेड बॉय ए टेंडर गर्ल' का विमोचन

उदयपुर। पिछले दिनों खुशी साबला की पुस्तक 'बर्निंग इश्यू कन्वेड बॉय ए टेंडर गर्ल' का भव्य विमोचन हुआ। जिसमें अनेक सामाजिक मुद्दों को फोकस किया गया है। जिनमें अशिक्षा, शारीरिक शोषण, दहेज, हड़ताल, आरक्षण, बाल विवाह, प्रतिभा पलायन जैसे मुद्दे हैं। भले ही यह पुस्तक अंग्रेजी में है परन्तु इन समस्याओं से उत्पन्न पीड़ा का आवेग सहज में महसूस किया जा सकता है। होटल रमाडा में पुस्तक विमोचन समारोह में खुशी के माता-पिता अजय-दीपा साबला और छोटी बहिन याशी के अलावा आईएएस विनीता बोहरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रानू शर्मा, पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना, प्रो. गायत्री तिवारी, प्रो. विजयलक्ष्मी चौहान सहित कई मित्र, परिजन और गणमान्य मौजूद थे।

होटल झंकार का शुभारम्भ

उदयपुर। न्यू आरटीओ रोड पर होटल झंकार का उद्घाटन पिछले दिनों संत लोकेशानंद महाराज और पूर्व पार्षद गीतादेवी कुमावत ने किया। दुर्गेश कुमावत ने बताया कि इस मौके पर गुरुजी ने जीवन में सकारात्मकता का महत्व बताया।

सिंघवी उदयपुर जोनल काउंसिल अध्यक्ष

उदयपुर। कन्फैडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री(सीआईआई) राजस्थान ने जयपुर चैप्टर के बाद उदयपुर में 11 फरवरी को जोनल काउंसिल की शुरुआत की। इसका पहला अध्यक्ष अभिषेक सिंघवी को बनाया गया।

शहर के एक होटल में आयोजित लॉन्चिंग कार्यक्रम में नॉर्थ रीजन के डिप्टी चेयरमैन समीर गुप्ता ने ताया कि उदयपुर में सीआईआई से उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री सहित शहर की करीब 20 इण्डस्ट्रीज जुड़ चुकी है। इन इण्डस्ट्री की विभिन्न समस्याओं और सुझावों को राज्य व केन्द्र सरकार स्तर पर पहुंचाकर समाधान का प्रयास किया जाएगा।

उदयपुर जोनल काउंसिल के नए अध्यक्ष अभिषेक सिंघवी ने बताया कि मार्च में काउंसिल की पहली बैठक होगी, जिसमें आगे की कार्य योजना तैयार की जाएगी। उदयपुर में हमारा विशेष फोकस हैण्डीक्राफ्ट, टूरिज्म और माइनिंग पर रहेगा।

एमके जैन क्लासेज : स्मार्ट एजुकेशन सेंटर शुरु

उदयपुर। संभाग में 34 वर्षों से सक्रिय एमके जैन क्लासेज के स्मार्ट एजुकेशन सेन्टर का हिरणमगरी में शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन संस्थान संरक्षक गोपाल सिंह जैन व निदेशक एम. के. जैन ने किया। क्लासेज 8वीं से 12वीं तक विज्ञान व कॉमर्स विषयों में स्कूल तथा मेडिकल, आईआईटी व सीए फाउण्डेशन की कोचिंग प्रदान करता है। निदेशक जैन ने बताया कि यहां सारी फैकल्टी अनुभवी व कोटा तथा अन्य स्थानों से होगी। अन्य तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

महिन्द्रा एक्सयूवी-300 लॉन्च

उदयपुर। महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के उदयपुर डीलर के एस ऑटोमोबाइल में महिन्द्रा एक्सयूवी-300 मॉडल लॉन्च किया गया। अनावरण निदेशक सुनील कुमार परिहार व आकाश परिहार की मौजूदगी में हुआ। बताया कि नया मॉडल पेट्रोल व डीजल वेरिएंट में उपलब्ध है। इस मॉडल में डिजाइन व तकनीक का विशेष ध्यान रखा गया है। महाप्रबंधक नावेद खान ने बताया कि नया मॉडल 6 रंगों में उपलब्ध हैं।

सूजस अधिकारी को विदाई

उदयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय उदयपुर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मोहनलाल मेनारिया के सेवानिवृत्त होने पर गत दिनों भावभीनी विदाई दी गई। सूचना केन्द्र में उपनिदेशक गौरीकांत शर्मा ने मेनारिया को पुष्पहार व पगड़ी पहनाकर तथा श्रीफल भेंट कर भावी जीवन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सहायक लेखा अधिकारी दिनकर खमेसरा ने भी शॉल ओढ़ाकर मेनारिया का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कार्यालय के वीरालाल बुनकर, राजसिंह सदाणा, हीरालाल शर्मा, केसर बाई मेघवाल, सुनील व्यास, मुकेश वैष्णव एवं मेनारिया के परिजन मौजूद थे। मेनारिया के स्थान पर अजमेर से स्थानांतरित लक्ष्मण सिंह चौहान ने पदभार संभाला है।

'द चेंज मेकर' स्प्रिंग कार्निवल सम्पन्न

उदयपुर। द यूनिवर्सल स्कूल, किड्स प्लेनेट, रोटरी क्लब मीरा, रोटरी इंटरेक्ट यूनिवर्सल और सर्वधर्म मैत्री संघ के साझे में द यूनिवर्सल, फतेहपुरा में पिछले दिनों स्प्रिंग कार्निवल 'द चेंज मेकर' कार्यक्रम हुआ। विशिष्ट अतिथि एडिशनल एसपी स्वाति शर्मा ने स्कूल के राष्ट्रीय स्तर पर विजेता छात्रों को सम्मानित किया। स्कूल निदेशक संदीप सिंघटवाड़िया ने बताया कि इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई, अभिभावकों ने रैंप वॉक किया और शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। लकी ड्रा में प्रथम टैब पुनीत सिंह राठौड़, रैंप वॉक में रेखा भटनागर, बेस्ट आउट फिट में रेनू देराश्री, सेफ्टी पिन में हेमलता चूंडावत प्रथम रही।

शोक समाचार

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति डॉ. उमाशंकर शर्मा(सीसारमा) की धर्मपत्नी **श्रीमती गीता शर्मा** का 30 जनवरी 2019 को आकस्मिक देहावसान हो गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद् एवं राजनेताओं ने उन्हें शोक संदेश भेजकर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। वे अपने शोकाकुल पति, झमकु बाई-धनलाल नागदा सास-श्वसुर, पुत्र डॉ. उत्तम प्रकाश, चन्द्रशेखर, पुत्रियां डॉ. प्रेमलता, कुसुम देवी एवं नर्बदा देवी सहित पौत्र-पौत्रियों एवं दोहित्रों का सम्पन्न एवं समृद्धि परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। प्रसिद्ध होटल व्यवसायी **श्री महादेव दमानी**(दमानी होटल) का 4 फरवरी 2019 को देहांत हो गया। उनके निधन पर होटल संस्थान, दक्षिणी राजस्थान के सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वे रोटरी क्लब समेत अनेक सामाजिक संगठनों से सम्बद्ध थे। वे अपने व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती हरी दमानी, पुत्र विनीत, पुत्रियां, पिंकी खत्री, ज्योति खत्री, डॉ. दीपा, अडाणिया व हीरा निगम सहित उनका समृद्ध एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। एडवोकेट हेमनाथ सनाढ्य की धर्मपत्नी **श्रीमती शांता देवी** का 28 जनवरी, 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र भारत व पुत्री कविता श्रीमाली सहित पौत्र व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। **श्री दलीचंद जी अग्रवाल** (मारवाड़ी) बर्तन हाउस का 9 फरवरी, 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र मुकेश, विपिन व पुत्री लता, पुत्रवधू हेमा सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों तथा भतीजों का सम्पन्न व वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

For Your Child

TNRS
Udaipur
Excellence in Education

T.N. Kids Flight

A Unit of

T.N. Residential School

Shaping Minds and Lives with advance learning methods in Montessori Section

ADMISSION OPEN

Annual Hostel Fees
Rs. 28,000/- Only

Day- Boarding Fees
Rs. 15000/- Annual

Hostel Admission Fees Rs. 2500/-

Transportation
Rs. 400/- Only

School Admission Fees Rs. 1000/-

Annual School Fees
Play Group to HKG Rs. 10400/-
Class I to V Rs. 13900/-
Class VI to X Rs. 17200/-
Class XI & XII
Commerce Rs. 21000/-
Science Rs. 23500/-

Mahaveer Marg, H.M. Sec. 4, Udaipur
Ph. : 2461250, M. : 9314460109

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com

www.aadharproducts.in

ARAVALI

GROUP - INDIA

AN ISO 9001:2008 Certified co.

Aravali Minerals & Chemical Industries Pvt. Ltd.

Quarry Owner, Processor, Exporter and Supplier of Indian Onyx, Marbles, Granites & other Natural Stones from Udaipur

MINERAL STONE CONSTRUCTION

- A wonder of nature- the Onyx Marble of Aravali, is most sought after by Architects and Master builders from all over the world for its distinct creamy white and subtle pink colors embellished with nature's own patterns.
- Aravali Onyx, with its fine grain texture and translucency, symbolises supreme luxury, extreme sensitivity and a high degree of aesthetics.
- Aravali Minerals & Chemical Industries is proud to uncover and present before connoisseurs across the globe, this dplendour of nature.

6 Continents 36 Countries, More then 400 Customers

B-132, Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur-313003
Tel: 2490675, 2491357, 2491675
OFFICE:SP-1, Udhyog Vihar, Sukher, Udaipur-313003
E-mail: aravali.sunil@yahoo.com, aravali1975@gmail.com
Website: www.aravalionyx.com

Shree Cement

With Best Compliments

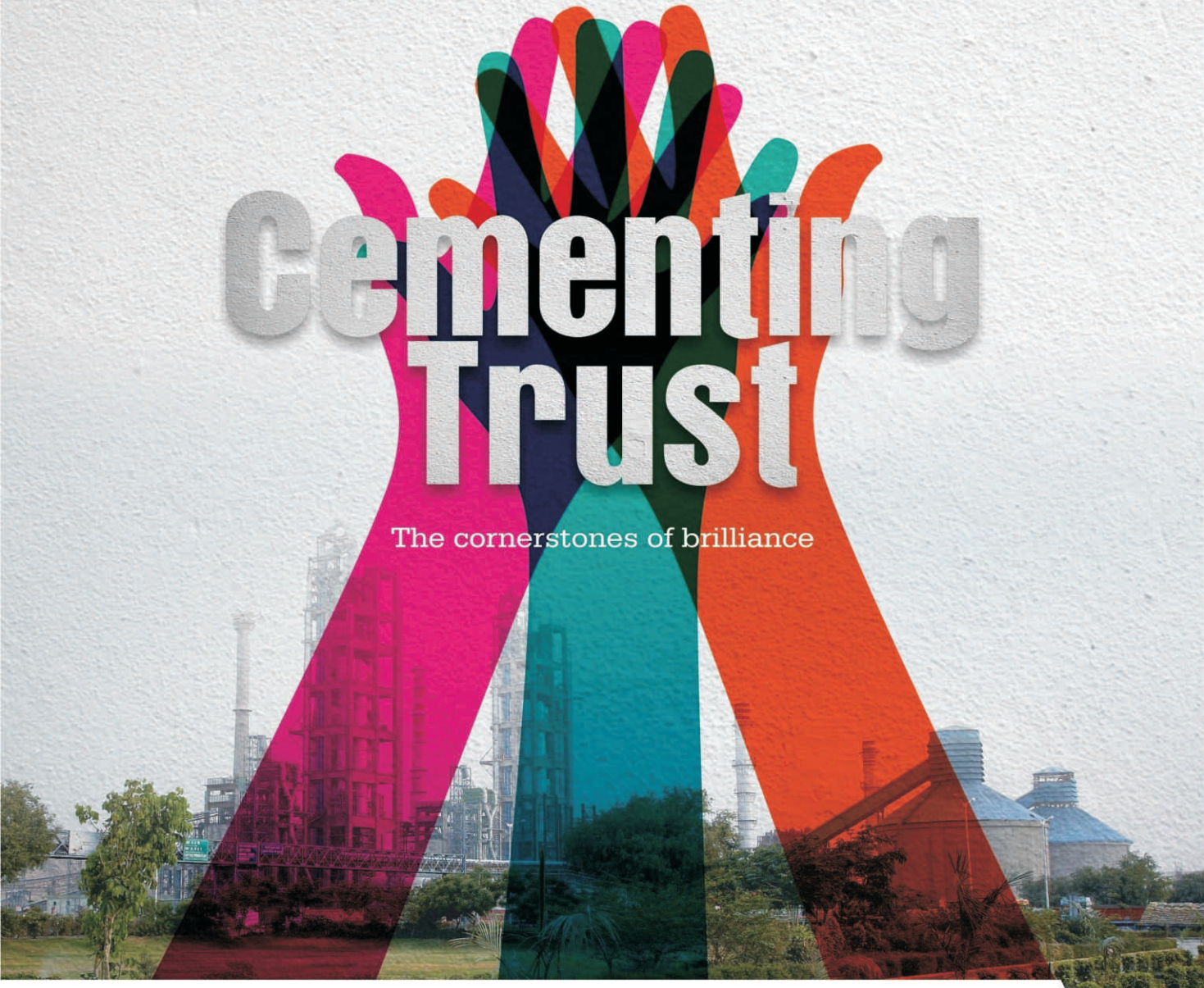

SHREE जंग रोधक CEMENT JUNG KI NO ENTRY

ROCKSTRONG CEMENT
देश को बनाये रॉकस्ट्रॉंग

BANGUR CEMENT
सस्ता नहीं, सबसे अच्छा

Registered Office: Bangur Nagar, Beawar - 305 901, Distt. Ajmer, Rajasthan.
Corporate Office: 21, Strand Road, Kolkata - 700 001

www.shreecement.in